



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 81 शनि विल्सो, शनिवार, फरवरी 25, 1995 (फल्गुन 6, 1916)

No. 81 NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 25, 1995 (PHALGUN 6, 1916)

(इस भाग में अलग संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, नियन्त्रणों, आदेशों तथा संकलनों से संबंधित प्रधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रधिकारियों की नियन्त्रियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में प्रधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकलनों और सामाजिक प्रावेशों के संबंध में प्रधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रधिकारियों की नियन्त्रियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में प्रधिसूचनाएं

भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियम, प्राव्यादेश और विनियम

भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियमों, प्राव्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्रधिकृत पाठ

भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रबल समितियों के बिल तथा रिपोर्ट

भाग III—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सभ शासित भेदों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियाँ आदि भी शामिल हैं)

भाग III—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सभ शासित भेदों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक प्रावेश और प्रधिसूचनाएं

खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सभ शासित भेदों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिसमें सामान्य स्वरूप की उपलब्धियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी प्रधिकृत पाठ (ये साठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र में खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और धावेश

भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा-परीक्षक, सभ लोक सभा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार गे मंव त्रू और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई प्रधिसूचनाएं

भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंट्स और डिजाइनों में संबंधित प्रधिसूचनाएं और नोटिस

भाग III—खण्ड 3—मुद्रण आयुक्ता के प्राधिकरण के अधीन अवधार द्वारा जारी की गई प्रगतिशीलता

भाग III—खण्ड 4—विधिप्रधिसूचनाएं (जिसमें सांविधिक नियमों द्वारा जारी की गई सांविधिक प्रधिसूचनाएं, प्राव्यादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं)

भाग IV—गैर-भारतीय व्यापतियों और गैर-भारतीय विकासों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस

भाग V—अपेजी और हिन्दी शब्दों में जन्म और मृत्यु के आकड़ों को बताने वाला प्रनपुरक

* आकड़े ग्राप्त नहीं हुए.

CONTENTS

PAGE	PAGE		
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	227	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	145
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	155	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	146
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	146
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	299	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	147
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinance and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	377
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	27
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(एका मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

उच्चोग मंत्रालय
 औद्योगिक विकास विभाग

जाता है कि संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1994

प्रौद्योगिकी भारतीय
 नियमित

संकल्प

सं० 7(8)/94-डी० पी० आर०/ई० जी० जी० एस०—
 उच्चोग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग में भारत सरकार की दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 की संकल्प सं० 7(8)/94-डी० पी० आर०/ई० जी० जी० एस० में आंशिक संशोधन करते हुए, निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

निम्नलिखित के स्थान पर :—

८. श्री सत्यवेद प्रकाश सिन्हा,
 कार्यकारी अध्यक्ष,
 जेनसन एण्ड निकोल्सन,
 225, आचार्य जगदीश बोस रोड,
 कलकत्ता-20।

संवत्सर

कृषि मंत्रालय

[कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (भा० कृ० अनु० परिषद् सहित) तथा पशुपालन और डेरी विकास विभाग]

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 जनवरी 1995

संकल्प

सं० 2(3)/94-हिन्दी—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सहित कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग पशुपालन और डेरी विकास विभाग की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन सम्बन्धी दिनांक 28 अप्रैल, 1994 के संकल्प सं० 2(3)/94-हिन्दी में निम्नलिखित संशोधन किया जा रहा है :—

श्री के स्थान पर
 सं०

पढ़ा जाए

९. श्री नाथूराम मिथा, श्री के० राममूर्ति,
 संसद सदस्य (लोकसभा) संसद सदस्य (लोकसभा)

श्री एस० सत्यवेद,
 प्रबन्ध निदेशक,
 जेनसन एण्ड निकोल्सन,
 225, आचार्य जगदीश बोस रोड,
 कलकत्ता-20।

संवत्सर

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति शब्दी सम्बन्धित को प्रेषित की जाए। यह भी आदेश दिया

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रांत समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों तथा सभ-

राज्य प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, सोकसभा सचिवालय, राज्यसभा सचिवालय, भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेज दी जाए ।

बह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प जन-कानून की सूचना के लिए राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

जी० एस० साहनी,

संयुक्त सचिव, कृ० अनु० शि० दि०
एवं सचिव, भा० कृ० अनु० परिषद

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1995

विषय :—कृषि विषय पर एक केन्द्रीय परामर्शदात्री समिति का गठन ।

सं० 16011/4/94-विषयन—। —इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 2-2/76 ए० एम० दिनांक 6 सितम्बर, 1976 और 15 मार्च, 1978 के संकल्प का अधिक्रमण द्वारा हुए तथा इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 16018/2/91 एम०-२ दिनांक 30 जनवरी, 1992 के तहत कृषि विषयन पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा निम्नलिखित सदस्यों वाली कृषि विषयन पर एक केन्द्रीय परामर्शदात्री समिति का गठन करती है जो केन्द्रीय सरकार को कृषि विषयन के विकास के लिए नीतियों और कार्यक्रमों पर परामर्श देने और केन्द्रीय एवं राज्य क्षेत्र की समग्र कृषि विषयन की नीतियों और कार्यक्रमों का समन्वय करेगी ।

अध्यक्ष :

१. अपर सचिव,

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग)
कृषि भवन, नई दिल्ली ।

सदस्य :

२. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक प्रतिनिधि ।
३. कृषि एवं सहकारिता विभाग का एक प्रतिनिधि ।
४. स्वास्थ्य मंत्रालय का एक प्रतिनिधि ।
५. वार्गिज्य मंत्रालय का एक प्रतिनिधि ।
६. रेल मंत्रालय का एक प्रतिनिधि ।
७. आर्थिक एवं सांस्कृतिकी सलाहकार, आर्थिक एवं सांस्कृतिकी निकेशालय अथवा उनका प्रतिनिधि ।
८. अध्यक्ष, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग अथवा सबका प्रतिनिधि ।
९. भारतीय खाद्य निगम का एक प्रतिनिधि ।
१०. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम का एक प्रतिनिधि ।
११. राष्ट्रीय कृषि सहकारी विषयन परिसंघ का एक प्रतिनिधि ।
१२. केन्द्रीय भांडागार निगम का एक प्रतिनिधि ।
१३. ट्राइकेड का एक प्रतिनिधि ।
- १४—१७. बारी-बारी से तीन वर्ष के अन्तराल में चार राज्यों का एक-एक प्रतिनिधि मनोनीत किया जाएगा । आरम्भ में पहले तीन वर्षों के लिए निम्नलिखित राज्यों का प्रतिनिधित्व होगा :—
 - (1) पंजाब राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि ।
 - (2) तमिलनाडु राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि ।
 - (3) महाराष्ट्र राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि ।
 - (4) उत्तर प्रदेश राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि ।

मदम्य सचिव :

१८ भारत सरकार के कृषि विषयन सलाहकार ।

आंदोलन

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रतिलिपि मध्ये सम्बन्धितों को भेज दी जाये ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्य सूचना हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

वी० जयचन्द्रन,
उप सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे थोर्ड)

नियम

‘तर्तु विलासी, दिनांक 18 फरवरी 1995

नियमाली

सं० 94/ई० (जी० आर०)-1/18/3—मिस्नलिखित सेवाओं/पदों में गिकियां भरने के लिए 1995 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नीं जाने वाली मम्मिलित प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण को जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी
शृणु 'क' सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भागतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)।
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा।
- (4) सैनिक इंजीनियरी सेवा (आई० डी० एस० ई०—भवन तथा सड़क संबंध)।
- (5) सैनिक इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षण संबंध)।
- (6) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रेड 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)।
- (7) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)।
- (8) डाक व तार भवन निर्माण (शृणु—क) सेवा के सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)।
- (9) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) शृणु 'क'।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा शृणु 'क'।
- (11) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (सिविल इंजीनियरी पद)।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी
शृणु 'क' सेवाएं/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (3) केन्द्रीय अन इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (4) केन्द्रीय वैश्वत इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(6) भारतीय नौ सैना आयुध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(7) सैनिक इंजीनियरी सेवा आई० डी० एस० ई० (वैश्वत और यांत्रिक संबंध) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(8) बैन्डोप्रैग्रुन तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैश्वत तथा यांत्रिक) (यांत्रिक इंजीनियरी पद), सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा शृणु 'क'।

(10) भारतीय निरीक्षण सेवा शृणु 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

(11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में कर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ)।

(12) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) शृणु 'क'।

(13) महायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर मंचार विभाग (दूर पंचार कारखाना मंगठन)।

(14) कर्मशाला अधिकारी शृणु 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

(15) भारतीय आपूर्ति सेवा शृणु 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।

शृणु 'ख' सेवाएं/पद

(16) कर्मशाला अधिकारी शृणु 'ख' (यांत्रिकी इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

वर्ग 3—वैश्वत इंजीनियरी

शृणु 'क' सेवाएं/पद

(1) वैश्वत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।

(2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (वैश्वत इंजीनियरी पद)।

(3) केन्द्रीय वैश्वत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैश्वत इंजीनियरी पद)।

(4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैश्वत इंजीनियरी पद)।

(5) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैश्वत इंजीनियरी पद)।

(6) केन्द्रीय वैश्वत इंजीनियरी सेवा (वैश्वत इंजीनियरी पद)।

(7) महायक कार्यपालक इंजीनियर (वैश्वत) डाक तार भवन निर्माण (शृणु 'क') सेवा।

(8) भारतीय निरीक्षण सेवा शृणु 'क' (वैश्वत इंजीनियरी पद)।

- (9) कर्मशाला इंजीनियरी सेवा (भूर्ज-संचय पद) ई० एम० ई० बैचूत और यात्रिक संवर्ग) (बैचूत इंजीनियरी पद)।
- (10) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन)।
- (11) कर्मशाला अधिकारी मुप 'क' (बैचूत इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।
- (12) भारतीय आपूर्ति सेवा मुप 'क' (बैचूत इंजीनियरी पद)।

कार्य 4—इलेक्ट्रोनिकी और दूर-संचार

इंजीनियरी

मुप 'क' सेवाएँ/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (दूर-संचार/इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद)।
- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा।
- (4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समर्थन स्कॉप/अनुश्रवण संगठन।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर्स) सेवा।
- (6) भारतीय आयुष कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद)।
- (7) भारतीय नी सेवा आयुष सेवा (इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद)।
- (8) केन्द्रीय बैचूत इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद)।
- (9) भारतीय सर्वेक्षण सेवा मुप 'क' (इलेक्ट्रोनिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद)।
- (10) सहायक प्रबन्धक (कारखाना), दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संघठन)।
- (11) भारतीय आपूर्ति सेवा मुप 'क' (इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद)।
- (12) भारतीय नियोजन सेवा मुप 'क' (इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद)।
- (13) कर्मशाला अधिकारी मुप 'क' (इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

मुप 'क' सेवाएँ/पद

- (14) कर्मशाला अधिकारी मुप 'क' (इलेक्ट्रोनिकी इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

1 परीक्षा संबंधीक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिणाम 1 में निर्धारित नीति से सी ज़रूरी। परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा।

2. उम्मीदवार ऊपर बढ़ाई वह सेवाओं/पदों की श्रेणियों के सम्बन्ध में किसी एक अथवा इक्षित श्रेणियों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को विस्तृत आवेदन-पत्र में वरीयता के क्रम में यह स्पष्ट करना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विवार किए जाने के इच्छुक है। उम्मीदवार को उनकी इच्छानुसार एकाधिक नियमी भी वह सहै वरीयता क्रम वर्णन का परामर्श दिया जाता है जिससे कि योग्यता क्रम में उनके रैंक के अनुसार नियुक्त करते समय उनकी वरीयता पर उपरित ध्यान दिया जा सके।

विशेष ध्यान 1:—उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह प्रयत्ने विस्तृत आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वह नियमों की शर्तों के अनुसार पक्ष है। बति वह किसी सेवा/पद का वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-प्रपत्र में किन्हीं सेवाओं/पदों को सम्मिलित नहीं करता है तो यह मात्र लिया जावेगा कि उन सेवाओं/पदों के लिए उनकी कोई विशिष्ट वरीयता नहीं है और ऐसी स्थिति में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों की अरीयताओं के प्रभुसार प्रभावित करने के पश्चात जिनमें रिक्तियां होंगी उसका किसी भी शेष सेवाओं/पदों पर अधिसूचना में दिए गए क्रम के आधार पर, आवंटन कर दिया जाएगा। इस प्रकार का आवंटन करते समय उन उम्मीदवारों का पहले युव "क" सेवाओं/पदों और बाद में युव "ख" सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 2:—किसी भी उम्मीदवार का अपने विस्तृत आवेदन-पत्र में पहले से निर्दिष्ट वरीयताओं को बड़ाने/परिवर्तन करने के बारे में कोई अनुशोषण अस्वीकार नहीं किया जाएगा।

विशेष ध्यान 3:—उम्मीदवार कैफियत उन्हीं सेवाओं/पदों के लिए अधीकी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षा में उन्हें प्रवैश नहीं दिया जाया है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान 4:—प्रेरित विभागीय उम्मीदवार जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [विशेष नियम 5 (अ)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गई है अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता से सकते हैं। तथापि पहले उन्हें उनके योग्यताक्रम के अनुसार उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में दियतयों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयता के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार किया जाएगा।

विशेष व्यापन 5:—विधम 6 के उपबन्ध के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश किए थए उम्मीदवारों की बोकल उच्छृंखली वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उस संबन्ध में निर्विष्ट वदों के लिए हैं और अब सेवाओं और फदों के लिए उसको करीबताओं, यदि कहीं हो, पर विकार नहीं किया जाएगा।

विशेष व्यापन 6:—उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं/फदों का संबन्ध बोगता कम सूखी में उनके स्थान, उनके द्वारा वी गई करिमत और पदों की संख्या के आधार पर ही किया जाएगा जो उम्मीदवारों के विकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ थाए जाने के प्रधानीन हैं।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर वही जाने वाली रिक्तियों की संख्या आवश्यक द्वारा जारी किए गए नोटिस विनिविष्ट की जाएगी।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़ी व्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से 1 अनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, थिलं का घोट पूर्वी अफ़्रिका देशों के लोग, उगाड़ा तथा संकुल गणराज्य तंत्रजनिया, जाम्बिया, मलायी, जेरो और अधिकोरिया और विकलानाम से अवज्ञन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

फिन्तु यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पालता प्रमाण—पद प्रवान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पालता प्रमाण—पद आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव के बाहर जायेगा तथा उसे भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पालता प्रमाण—पद जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1989 को 20 वर्ष हो चुकी हो किम्त 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उम्मीदवार जन्म 2 अगस्त, 1967 से पहले और 1 अगस्त, 1975 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम-2 के नीचे किए गए विशेष व्यापन (4) में निर्विष्ट भर्ती के अध्यधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम-1 में

निर्विष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्विष्ट सभी अधिकारी किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु जिसके लिए वे अध्ययन पात्र हैं, आवेदन करते हैं—ऊपरी आयु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी।

- (1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में सूखे स्थान में स्थायी पद पर हैं। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थाई पद पर नियुक्त परिवीकाशीय अधिकारी को उसकी परिवीक्षा की अवधि के बीच वह चूट नहीं मिलेगी।
- (2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1995 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थाई सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम-1	कालम-2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० एस०।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० युप 'क', सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० युप 'क'
मुख्य अधिकारी सेवा मुख्यालय	सेनिक इंजीनियरी सेवा, युप 'क' (आई० ई० एस० ई० नी० एवं आर० संबंध तथा निर्माण सर्वेक्षण संबंधी) सेनिक इंजीनियरी सेवा युप 'क' (आई० ठी० एस० ई० ई० ए० एम० संबंध)
भारतीय कारखाना महानियन्दियालय	आई० झो० एफ० एस० युप 'क'
मेलीड़ प्रकाशन सेवा	सी० डडल० ई० युप 'क' सेवा
मेलीड़ विकास प्राधिकरण	सी० पी० ई० युप 'क' सेवा
बेसर आयोगों तथा समन्वय प्राधिकरण	इंजीनियरिंग युप 'क'
संगठन	
सीमा सङ्कर संगठन	सीमा सङ्कर इंजीनियरी सेवा
भारतीय विद्यालय/दूरदर्शन	युप 'क' भारतीय प्रसारण (इंजीनियरिंग) सेवा का कनिष्ठ बेतनमान
भारतीय नीसेना	भारतीय नीसेना योग्य सेवा।
संचार संसाधन,	भारतीय दूर संचार सेवा, युप 'क', सम्बन्धित कार्यालयीय इंजीनियर (सिविल / इंजीनियरिंग) योग्य व तार
तथा डाक विभाग	

कालम-1	कालम-2
विज्ञान तथा तकनीकी विभाग आपूर्ति और निपटान महानगरीय संबंधित विभाग	भवन निर्माण युप 'क' सेवा, सहायक प्रबन्धक (कारखाना) युप 'क', डाक एवं तार (इर संचार कारखाना संगठन)
भारतीय भूसंरक्षण विभाग	भारतीय सर्वोक्षण सेवा युप 'क' ग्राई० एस० एस० (युप 'क')
	यांत्रिक हंजीनियर (कनिष्ठ) युप 'क', यमी इंजीनियर (कनिष्ठ) युप 'क'

टिप्पणी :—प्रशिक्षिता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यभार पर पर नियुक्त हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोगन के लिए प्रशिक्षिता की अवधि रेल सेवा मात्री जाएगी।

- (ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी :—
- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ;
 - (2) यदि उम्मीदवार कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश में 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवणन कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
 - (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर 1991 से पहले भारत प्रवणन कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
 - (4) शत्रु देश के साथ संघर्ष में ग्राहांतिग्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्यक्रमों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;
 - (5) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अग्रांतिग्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कार्यक्रमों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
 - (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त 1995 की सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और ज्यन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा, अधिकतम् 10 वर्ष तक।

सहित) ने 1 अगस्त, 1995 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारण से कार्यकाल के समाप्त, पर कार्यमुक्त हुए हैं, इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1995 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) अल्पकालीन सेवा से हुई शारीरिक अपगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

- (7) भूतपूर्व सैनिक (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ० जा० या अ० ज० जा० के हैं तथा जिन्होंने 1 अगस्त 1995 को कम से कम 5 वर्ष तक सैनिक सेवा की हो और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त 1995 में एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) सैनिक सेवा में हुए शारीरिक अपगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक;
- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त 1995 की सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और ज्यन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा। अधिकतम् 5 वर्ष तक;
- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1995 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिसका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है। कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और ज्यन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा, अधिकतम् 10 वर्ष तक।

(10) अन्य पिछली श्रेणियों के उम्मीदवारों के मामले में, जो ऐसे उम्मीदवारों पर सागृ होने वाले आरक्षण प्राप्त करने के पात्र हैं, अधिकतम 3 वर्ष सक।

टिप्पणी 1—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर सागृ होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (मिलिंसिल सेवा तथा पदों में पुर्वोरोजगार) नियम, 1979, में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—ऐसे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट लेने के पश्चात् सिविल साइड में कोई सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियम 5(ग) (2) से (9) के अधीन आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

विशेष ध्यान—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम (5) (ब) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है, उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जायेगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में भेंवा से त्याग पत्र देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय में स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता यथार्थ कि उसका आवेदन पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अप्रेषित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य वस्ताविज जैसे जन्म कुछली, शपथ-पत्र, नगर निगम तथा सेवा अधिसेक से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्घरण तथा अन्य ऐसे प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अन्देशों के इस भाग में आए हुए “मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र” वाक्यांश के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1—उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न शी विचार किया जाएगा और न ही उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अधिसेक में वर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

(क) के पास भारत के केंद्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुवान आयोग अधिनियम, 1955 की द्वारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए; अथवा

(ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग के आंतर ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होमा चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा

(घ) इलैक्ट्रोनिकी और दूरसंचार इंजीनियरी को संस्था (भारत) की ऐजेंट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

(इ) भारतीय बैमानिकी सोसायटी की एसोसिएट मेम्बर-शिप परीक्षा भाग 2 और 3/खण्ड के आंतर ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(झ) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ऐसो-सिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; अथवा

(ঞ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रोनिकी और रेडियो संचार इंजीनियरी की संस्था (मान्यता) की ऐजेंट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

किन्तु बायर संचार सेवा अधिकारी तथा समस्या संकलन, संचार अन्वयालय में इंजीनियरी ग्रुप क, भारतीय प्रसारण (इंजीनियर्स) सेवा तथा भारतीय नौसेना आयुष सेवा (इलैक्ट्रो-निकी इंजीनियरी पव) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उम्होने कोई अन्यता या निम्नलिखित अन्यता हो जैसे :—

बायरसेंस संचार, इलैक्ट्रोनिकी, रेडियो भौतिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम० एस० सी० इंजी या समकक्ष।

टिप्पणी 1 :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण करनेने पर वह वैज्ञानिक घुण्ट से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली ही तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अर्थित मानी जाएगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हत प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पश्चें, साथ प्रस्तुत करना होगा।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लौंक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास अपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बल्कि कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी इंजी है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग के विवेक पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में मिल्हारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थाई रूप से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आक्रियक या वैकाश वर पर

नियुक्त व्यक्ति नहीं है, उनकी भा जो सार्वजनिक उद्दमों में सेवारत हों, उनको इस आशय का परिवर्तन (अण्डरट्रेकिंग) देना होगा कि उम्होने अपने काल्पनिक विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उम्होने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आवेदन को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. उम्मीदवार के आवेदन-पत्र और उसकी पत्रका को स्वीकार करने या परीक्षा में प्रवेश आदि के संबंध में आवेदन का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सार्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग ने जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा घोषित किया हो :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति में सहम रूप से कार्यसामन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिसमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा दिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तकाओं पर असंगत वाले लिखी हों और अपलील भाषा में या अम्बा आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाक हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए प्राक्कोन द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को जेवे गए प्रमाण-पत्र के लाभ जाते अनुबोधों का उल्लंघन किया हो, अथवा

(17) उम्मीदवार बड़ों में उस्तिलिंग सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवधैरित करने का प्रयत्न किया हो।

वो जस पर आपराधिक अभियोग (किमित श्रीकृष्ण) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, वैठने के लिए अपील ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा

(ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा जो जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अवयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सचिव द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से

बाहित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अभिशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु यहाँ यह है कि इस नियम के अधीन कोई वास्तव उत्तरकालीन जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में निवेदित अध्यावेदन जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, अथवा

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अध्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार म कर लिया जाया हो।

12. जो उम्मीदवार लिंगित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विषयक एवं अधिकारी परीक्षण हेतु साकारकार के लिए बुलाया जाएगा।

यदि आयोग का विचार है कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य मानक के आधार पर इन समुदायों से प्रयोग संघर्ष में उम्मीदवार साकारकार के लिए नहीं बुलाए जा सकते तब आयोग द्वारा मानकों में छूट देकर इन समुदायों के उम्मीदवारों को साकारकार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (1) साकारकार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तियों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार उसमें वहीं पूर्ण बताएगा और उस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित वाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उसने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार निश्चित करने के लिए

अनुसूचित जाति आयोग द्वारा परीक्षा में मौजूद पाए गए हों।

(2) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की मात्रा तक आयोग द्वारा मानक में छूट देकर सिकारिश की जा सकती है बरतें कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन हेतु उपयुक्त हों।

बरतें कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के उम्मीदवारों जिनकी इस उपनियम में संचालित रियायती मानकों का सहारा लिए विकास आयोग द्वारा संस्तुत की गई है, को अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाकाल की सूचना फिर से लिए गए और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाकाल के बारे में जारी पत्र बहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य अवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर निश्चित रक्तरूप संबंध उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता तक पर आयोग द्वारा उचित छान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार पहले उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर निश्चित करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए विकास जांच में जारी रखते हुए विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए विभिन्न सेवाओं/पदों पर निश्चित करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पात्र हो जाने मात्र से दी निश्चित का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्ति द्वारा दियुक्ति से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवारों को मानसिक और शारीरिक इष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनके लिए शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के सभी में अस्तीकरण को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विविहृत डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या निश्चित प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है, तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जाएगी (शनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे प्रतिरेक भूल्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसंत लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चक्षा लगाते हों तो उन्हें हाल ही के चक्षमें के नम्बर के साथ मैडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध समान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छूट के अनुरोध पर विवाह नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा में संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उनमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग अलग हैं। प्रतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं, जिन सेवाओं/पदों के लिए सं० लो० से० आ० को वरीयता भत्तायी है उन सेवाओं के विशेष संबंध में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनको 30 रुपए (तीस रुपए) की नकद दराशि मैडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का पर्याय यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उनके मामले पर विवाह किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टरी जांच से सम्बन्धित अलग से कोई सूचना नहीं मिली जाएगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान विकलांग बुद्धि और परिणामस्वरूप नियुक्त हुए भूतपूर्व

सेविकों को प्रत्येक सेवा की श्रेष्ठाओं के अनुसार तंत्र में से छूट दी जा सकती है।

18. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिनका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के द्वारा हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के प्रत्यक्ष कारण भी है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायता होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

एस० ए० ए० जैवी,
सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित विज्ञान के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग-1—लिखित परीक्षा के दो भाग होंगे। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्न-पत्र होंगे। दोनों भागों में संगत हंजीनियरी शिक्षा यात्राओं जैसे सिविल हंजीनियरी, यांत्रिक हंजीनियरी, वैद्युत हंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार हंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्नपत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिये गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रश्नेक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे 1ग 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

1. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में सी जायेगी :-

श्रेणी-1—सिविल इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न पत्र II	14	3 घंटे	200
योग			
			1000

श्रेणी-2—यांत्रिक इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र II	22	2 घंटे	200
खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	3 घंटे	200
योग			
			1000

श्रेणी 3—वैद्युत इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200

खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र

वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			
			1000

श्रेणी 4—इलैक्ट्रॉनिकी और दूर संचार इंजीनियरी

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड 1 वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	61	2 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	62	2 घंटे	200
इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II			

खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र

इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र—I	63	3 घंटे	200
इलैक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-II	64	3 घंटे	200
योग			
			1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेद्वा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जास्थिता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्विक निष्ठा के निधीरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जायें। प्रश्न-पत्र के बाल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विषयाएँ से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जायेंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में श्रयवद्ध, प्रधान पूर्ण छंग की ओर सही हो ।

10. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक होगा तोल और भाष्य की भीटरी प्रणाली से संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

नोट :—जहाँ भी जहरी समझा जाएगा उम्मीदवारों को परीक्षा भवन में संदर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित तथा प्रकाशित भीटरी छंकाईयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी ।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए भीटरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है । परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर लाने या आपरा में बदलने की अनुमति नहीं है ।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तु-पत्र प्रश्न-पत्रों (परीक्षा पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते । अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें ।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों में अन्तराल्फीय रूप (अष्टसि 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए ।

परिशिष्ट 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है । अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी छिन्नी स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा । किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी ।

सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी :—अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके ।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामान्य घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है । प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका स्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे ।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तु-पत्र के लिए प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 13 ।

प्रश्न-पत्र 1

वस्तु-पत्र के लिए प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 13 ।

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी, हॉट, सीमेंट, लेप, कंक्रीट, रसिति, इस्पात ।

2. धन यांत्रिकी

प्रतिबल, विकृति, धन, द्रव्य का विकलन सिद्धांत, माध्यारण बंकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र ।

3. शालेखी स्थैतिकी

बल वहूभुज, प्रतिबल आरेख ।

4. संरचनात्मक विश्लेषण

ट्रेसेज और फ्रेम का विश्लेषण, प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय ।

5. धातु संरचना का अभिकल्पन

कार्यकारी प्रतिबल और साधारण रचना के चरम सामर्थ्य अभिकल्पन ।

6. कंक्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन

चिनाई शीबार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन ।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तु-पत्र के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 12 और

परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 14

1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत इंजीनियरी

विवृत चैनल और पाषाण प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना ।

2. मूदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रबलता प्राचल, भूमि दाब के सिद्धांत, उथले और गहरे आधारों के अभिकल्पन ।

3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सङ्केत अतिउन्नयन नियमन प्रवणता, कुट्टिटम, यातायात नियंत्रण, अभिकल्पन विचारण ।

4. पर्यावरण इंजीनियरी

जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान

5. निर्माण, नियोजन और प्रबन्ध

निर्माण पद्धति के तत्व, भार चार्ट, सी० पी० ए०, पी० ई० आर० टी० ।

यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र 1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 21 और
परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 13

1. उद्धारणीय

नियम, आदर्श नेटों और बाष्प के गुणधर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, इंधन और दहन।

2. आई० सी० इंजन

सी० आई० और एस० आई० इंजन, अधिकोस्टन, इंधन अन्तःक्षेपण और कार्बोरेशन, निष्पादन और परीक्षण, टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन, नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय इंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. बाष्प बायलर, इंजन, नोजल, बाष्प टरबाइन, आधुनिक बायलर, बाष्प टरबाइन के प्रारूप, नोजल से बाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के बेग आरेख दक्षता और नियंत्रण।

4. संपीडित गैस गतिकी और गैस टरबाइन, प्रत्यागामी केन्द्रभिमुख और अपक्षीय प्रवाह के संपीडित बेग आरेख, दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिकी अंकों का प्रभाव, आव्सेन-ट्रायिक प्रवाह नोजल से सामान्य प्रयात और प्रवाह, ब्रूचरणीय संपीडित सहित टरबाइन चक्र, पुरुषतापन, पुरुतापन।

5. ऊर्ध्वा अंतरण, प्रशीतन और वातानुकूलन, धालन, संवहन और विकिरण। ऊर्ध्वा विनियमक प्ररूप। सम्मिलित ऊर्ध्वा अंतरण। सम्पूर्ण ऊर्ध्वा अंतरण गुणांक, प्रशीतन और ऊर्ध्वा पम्प चक्र प्रशीतन प्रणाली। निष्पादन के गुणांक—साइकोमीट्रिक्स और साइको-मिट्रिक चार्ट, कन्फर्ट सूचक, प्रशीतन और निराप्रीकरण विधि। औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया। शीतलन और तापन भार गणना।

6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल इंजिनियरी, शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धांत और प्रयोग; दावांतरमापीय और उत्पादन। आदर्श तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। परिसीमा स्तर सिद्धांत नियमित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और खुली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा सादृश्य तकनीक।

अविमीय विशिष्ट गति सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण; ऊर्जा वृत्तांतरण सम्बन्ध। पम्पों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। द्रव्यगतिक विशुद्ध संचारण।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं० 22 और
परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं० 24

7. मशीनों का सिद्धांत

(1) गतिमान पैड (2) मशीनों के बेग और त्वरण, क्लाइन नियमण, मशीनों में जड़त्व बल, फैस्प, गियर और गियरन गतिपालक चक्र और नियामक, पिंडों का पूर्ण एवं प्रयातगामी संतुलन स्वतंत्र और प्रबोधित काम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की क्रांतिक गति और ग्रन्ती।

8. मशील अभिकल्पन

पंच बन्धन और पावर स्कूल का जोड़—कुंजयां कोटरास, युग्मन—वेल्ड संधि पारगमन पद्धति—पट्टा और चेन चालित-तार रज्जू—शैफ्ट गियर—सर्पी और रोलिंग बेयरिंग।

9. पदार्थों की सबलता

द्विनिमीय प्रतिबल और विकृति मोहर चक्र प्रस्थाल्स्थिरांकों के बीच सम्बन्ध।

किरणपूज—बंकन आधुर्ज अपर्लपक और विक्षेप शैफ्ट—समिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल स्थूल-बाल्ड सिलिंजर और दाढ़ के अन्तर्गत गोलक, सिप्रग, आलम्बन स्तम्भ और कालम विफलन का सिद्धांत।

10. इंजीनियरी पदार्थ

मिश्र धातु और धातु मिश्रण तत्व साप अभिक्रिया, संयोजन, गुणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ।

11. उत्पादन इंजीनियरी

धातु मशीनीकरण—कर्तन औंजार, औंजार धातु, घिसाई और यांत्रिकीकरणीयता, कर्तन शक्ति का माप, प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—प्रेषण, वेघन, गीवर, नियमण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक नियंत्रित मशीनी औंजार, जिंग और अमुलगी (तत्वों का अवस्थापन)।

12. औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजबूरी प्रोत्साहन, उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन, संयंत्र विद्युत सिद्धांत—उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण, पदार्थ अवस्था संक्रिया विज्ञान। रेखिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धांत इंजीनियरी जाल विश्लेषण। सी० पी० एम० एवं पी० ई० आर० टी० संगुणों का उपयोग।

वैद्युत इंजीनियरी
(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 43

1. वैद्युत परिपथ

जाल प्रमेय, उद्यावकीय जाल के सोपान, रेम्प, आवेम और ज्यावकीय निवेष की अनुक्रिया, आवृति क्षेत्र का विश्लेषण द्विपृष्ठीय जाल संश्लेषण का तत्व, संकेत प्रवाह धारा।

2. ई० एम० सिद्धांत

वैद्युत स्थैतिकी, सदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक, चुम्बकीय पदार्थों और धालक के अस्तर्गत परिविद्युत के क्षेत्र। समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सिमल का समीकरण, चालन परावैद्युत मिहिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म।

3. पदार्थ विज्ञान (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धांत स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, धातु की चालकता अतिचालकता पदार्थों का चुम्बकीय गुण धर्म। फेरो और फेरी—चुम्बकत्व अर्धचालकों में चालकता हाल प्रभाव।

4. वैद्युत मापन

मापन के सिद्धांत, परिपथ पैरामीटर का सेतु, मापन, माप यन्त्र। बी० ई० बी० एम० तथा सी० आर० ओ० क्य०—पीटर, स्पैक्ट्रमस विश्लेषक। ड्रांसड्यूसर्स तथा गैर-विद्युत मापार्थों का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथा अभिलेखन तथा प्रवर्तन।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44

5. अभिकलन के तत्व

अंकीय प्रणाली, एल्गोरियम विधियाँ, प्रवाह—संचिकण भण्डारण, प्रूल्य विवरण, सरणी भण्डारण अंक गणित निष्पीड़न, तार्किक निष्पीड़न निर्दिष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना वैज्ञानिक तथा इंजीनियर अनुप्रयोग।

6. वैद्युत उपकरण तथा प्रणालियाँ

वैद्युत यांत्रिक : विद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपांतरण के सिद्धांत। बी० सी० तुल्यकालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्नात्मक अश्व-शक्ति मोटर। विद्युत प्रणालियों में मशीनें ड्रांसफार्मर्स। चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालनों के लिए मोटरों का चयन। **वैद्युत प्रणाली—विद्युत-उत्पादन :** तापकीय, जलीय तथा नाभिकीय, विद्युत संचरण, कोरोना, पूल चालक,

विद्युत प्रणाली रक्षण। आर्थिक परिचालन, लोड आवृत्ति-नियंत्रण, स्थायित्व विश्लेषण।

7. नियंत्रण प्रणालियाँ

विद्युत-पाश तथा संकृत पाश प्रणालियाँ, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियाँ। स्थिति-परिवर्ती उपगमन।

8. इलैक्ट्रोनिकी तथा संचार

इलैक्ट्रोनिकी-धनावस्था युक्तियाँ तथा परिपथ लघु सिग्नल स्प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण, प्रवर्धक दोलिम तथा संक्रियात्मक प्रवर्धक एफ० ई० टी० परिपथ तथा रेखिक आई० सी०। स्विचन परिपथ धूलीन बीजगणित, तर्क परिपथ, सापेजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ।

संचार सिग्नल विश्लेषण सिग्नलों का प्रेषण। माइक्रोल तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संसूचन। संचार प्रणालियों का निष्पादन।

इलैक्ट्रोनिकी तथा दूरसंचार इंजीनियरी

वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए

प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63

1. सामग्री, घटक तथा युक्तियाँ

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुण-धर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म—धनावस्था युक्तियाँ—भौतिक लक्षण तथा नमूने।

2. जाल सिद्धांत

जाल प्रमेय: विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत

क्षेत्रगत सिद्धांत। संचरण लाइन सिद्धांत। एंटीना सिद्धांत। परिवद्ध तथा अपरिवद्ध मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

4. मापन तथा यंत्रीकरण

वैद्युत मापार्थों का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्यप्रणाली का सिद्धांत। ड्रांसड्यूसर्स। गैर वैद्युत मापार्थों का माप।

प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 62 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 64

1. रेखिक तथा अरेखिक अनुरूप परिपथ

मूल रेखिक इलैक्ट्रोनिक परिपथ। संव—रूपण परिपथ। तरंग आकार जनित्र। स्थायीकारक।

2. अंकीय परिपथ

तर्क परिपथ तथा गेट। संगणन परिपथ। सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3. नियन्त्रण प्रणालियाँ

पुनर्भरण सिद्धांत। नियन्त्रण प्रणाली घटक। नियन्त्रण प्रणालियों की अनुक्रिया। व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4. संचार प्रणालियाँ

मूल सूचना सिद्धांत। माइलन तथा संसूचन प्रति-याएं। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियाँ। रेडियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार। संचार सहाय, अनुगमी संचार सिद्धांत।

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी

सूक्ष्म तरंग स्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृत्तियाँ। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियाँ।

परिणाम—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग-निदेशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराएं जाने के लिए यह ज़रूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वस्तापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. प्रत्येक उम्मीदवार की उनके व्यक्तित्व परीक्षा के दूसरे दिन या इस तथ्य को ध्यान में न रखते हुए कि उन्होंने पहले ऐसी डाक्टरी जांच करवाई थी और पहली जांच के आधार पर उन्हें स्वस्थ अथवा अस्वस्थ पाया गया, रेलवे मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यथा निर्णीत तारीख और स्थान की सेन्ट्रल हास्पिटल, बस्त लेन, तर्झ दिल्ली पर डाक्टरी जांच

करवाई जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार नियत तारीख को डाक्टरी जांच के लिए रिपोर्ट करने में असफल रहता है तो उसकी नियुक्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रह समझी जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार स्वास्थ्य परीक्षा के लिए दर्शाई गई सारीख पर उपस्थित नहीं होता है तो उसे तकाल 15 दिनों के अन्दर रेलवे मंत्रालय को इसका कारण बताना चाहिए जिससे कि अगली उपयुक्त तारीख को उनकी स्वास्थ्य परीक्षा की व्यवस्था की जा सके। उम्मीदवार के ऐसा न करने पर यह समझा जाएगा कि वह नियुक्ति के लिए इच्छुक नहीं है तथा उसे कोई सेवा/पद नहीं दिया जाएगा।

3. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों के परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि बजन, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्सरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा	फैलाव (पूरा फुला-कर)
-------------	----	--------------	----------------------

रेल इंजीनियरी सेवा
(सिविल वैद्युत)

यांत्रिक और सिंगनल
श्रीर के ० लो० नि०

वि० में केन्द्रीय

इंजीनियरी सेवा

ग्रुप 'क' तथा

केन्द्रीय विद्युत

इंजीनियरी सेवा

ग्रुप 'क'

(क) पुरुष उम्मी-दवारों के लिए

152	84	5 सें.मी०
सें.मी०	सें.मी०	

(ख) महिला

उम्मीदवारों के

लिए	150	79	5 सें.मी०
	सें.मी०	सें.मी०	

अनुसूचित जनजातियों और तथा उन जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिनका श्रोतृत कब स्पष्टतः ही कम होता है; के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कब में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं युप 'क' भारतीय आगुध कारखाना सेवा युप 'क' के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 सें. ० मी. ० के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

4. उम्मीदवार का कब निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टॉचर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि पांव उसके धापस में जुड़े रहें और उसका बजन सिवाए एडियों के पावों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिष्ठलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी छोड़ी नीवे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैडलेवल) हारिजेन्टल बार (आधी छड़ि) के नीचे आए। कब सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:— उसे दस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हॉरिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाए ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे ८.४—८.९ ८.६—९.३.५ प्राप्ति। माप को रिकार्ड करते समय आंखे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान दें:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कब और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

6. उम्मीदवार का बजन भी किया जाएगा और उसका बजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आवा किलोग्राम से का कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(१) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा

की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (काटिगुअस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(२) दृष्टिक्षमता (विजुअल एफ्युटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो सरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

अश्वे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इसमें आंख की हालत के बारे में मूल मूलना (बेतिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा:—

सेवाएं	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	बराबर आंख	अच्छी आंख	बराबर आंख
1	2	3	4	5

क. सफोनीकी

1. रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल विशुल, याकिकी और सिंगलल)

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा युप 'क'
केन्द्रीय विशुल तथा याकिक
इंजीनियरी सेवा युप 'क'
भारतीय निरीक्षण सेवा युप 'क'
केन्द्रीय जल इंजीनियरी

6/6 6/12 जे.०। जे.०॥

सेवा युप 'क', केन्द्रीय विशुल

6/९ 6/९

इंजीनियरी सेवा (सड़क) युप 'क'

तथा तार इंजीनियरी सेवा युप 'क'

सहायक कार्यपालक इंजीनियर

(सिविल तथा वेशुल)

जाक एवं तार भवन निर्माण

(युप 'क') सेवा

भाई० डॉल्यू० पी० एड सी० स्कन्ध

अनुशासन संगठन, संचार भवालय में

इंजीनियरी का पद भारतीय

प्रसारण इंजीनियर) सेवा,

भारतीय नीसेना आयुद सेवा में

भारतीय आयुदशाला सेवा युप 'क',

सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा युप 'क'

3. सेना इंजीनियरी सेवा युप 'क'

कर्मशाला अधिकारी, युप 'क' तथा 'ब'

सहायक प्रबन्धक (कारखाना) युप 'क'

डाकतार दूरसंचार कारखाना संगठन

(गैरतकनीकी)

6/6 6/18 जे.०। जे.०॥

6/५ 6/९

1	2	3	4	5
4. भारतीय रेल बंधार	6/9	6/12	जे० I	जे० II
सेवा तथा भारतीय धूमिकान सर्वेक्षण में यात्रिकी इंजीनियरी (कनिष्ठ) मूल 'क' बर्म इंजीनियर (कनिष्ठ) मूल 'क' भारतीय आयुष्टि सेवा मूल 'क'				

टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में मायोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम 4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम + 4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाइ मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा अर्थात् कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएं पूरी कर दे।

मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जांच करनी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को रोगात्मक अवस्था हो जिसके बाटे और उससे उम्मीदवार की कार्यक्षमतापर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2)

भारतीय दूर संचार सेवा मूल 'क' के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्णवर्णन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में डारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो :—

वर्ण अवगम			
का उच्चतर	का निम्नतर		
ग्रेड	ग्रेड		
1. सैम्प और उम्मीदवार के भीच की दूरी	16'	16'	
2. डाक (एपरचर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर	
3. विद्युत का समय	5 सेकेण्ड	5 सेकेन्ड	

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैश्वात, सिंगल और यांत्रिक) और रेल सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए ऊंचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की ज़रूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :—

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्णवर्णन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्णन अपेक्षित है :—

(1) रेल इंजीनियरी सेवा

(2) सैम्प हंजीनियरी सेवा (आई० ३०० एम० ई० तथा सर्वेक्षण विवरणी)

(3) भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा।

(4) केन्द्रीय हंजीनियरी सेवा (सड़क)।

(5) केन्द्रीय वैश्वात इंजीनियरी सेवा।

(6) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक तार) दूर संचार कारखाना संगठन।

(7) सीमा सड़क हंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'।

(8) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' तथा 'ख'।

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

(1) केन्द्रीय हंजीनियरी सेवा।

(2) केन्द्रीय वैश्वात तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा।

(3) भारतीय नौसेना आयुध सेवा का ग्रेड।

(4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा।

(5) केन्द्रीय जल हंजीनियरी सेवा।

(6) सहायक कार्यकारी हंजीनियर (सिविल तथा विश्वात) ग्रुप 'क' डाक व तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा।

(7) भारतीय प्रसारण (हंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ वेतममान।

(8) हंजीनियर ग्रुप 'क' बेतार आयोजन और समन्वय स्कॉर्च अनुश्रवण संगठन।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिंदूकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इशिहारा की प्लेटों तथा एडरिज की लैटर्न—दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) —सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टिक्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रत्नांधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) —केवल विशेष मामलों को छोड़कर रत्नांधी की जांच नेमा के रूप से जल्दी नहीं है। रत्नांधी या अन्येरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड ट्रैस्ट निश्चित नहीं है। भेड़िकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ ट्रैस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्दर कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट दें। बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर बृहित तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5) — केन्द्रीय हिंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों की चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण धर्शन और रत्नांकी संबंधी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवार को 'द्विविम मंगमन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6) — दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख को दर्शाएँ (आवश्यकता कण्ठीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी की बढ़ती हुई अपवर्तन नुस्खा (रिफ्रिंग एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भैगापन — ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भैगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही अपेक्षा न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भैगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख बाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमज़ोर है या उसकी दृष्टि उपसामान्य है तो इसका सहज प्रभाव वह होता है कि गहनता अवगम के लिए उनके पास द्विविम दृष्टि की कमी है। कई सिविल पर्यों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है, बशर्ते कि उसकी सामान्य अंतिम आंख :—

(1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जे०/१ जो बशर्ते कि किसी मेरिडियन में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोप 4 डायोट्रेस से अधिक न हो।

(2) का दृष्टि-अंतर पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संदर्भगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में अर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7) — कान्टेक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8) — यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 25 फुट कैण्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9) — सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारण किसी भी शर्त में छूट के सकती है।

8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपनी विवेका से काम लेगा। नार्मल मेक्जीमम सिस्टालिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+आधी आयु का सामान्य विनियम द्विक्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान : सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर सिस्टालिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेन्ट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई (आर्गेंटिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्सरे और ड्लेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया विकास (फिल्म-रोंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल डिडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले धार्मारी (मरकरी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी-बहुत हारिजेन्टल स्थिति में रोगी के पाश्वर पर हो तथा उसके कन्धे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को धुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो ढंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को ना निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह धमनी (ब्रेकिग्रल आर्टरी) को दबादबा कर दूँड़ा जाता है और तब उसके ऊपर बी बी-बी एस्टेस्कोप को हूँके से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी ज ती है। और इसके बाव इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है हल्की ऋग्मिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनिया हल्की

दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएँ तो वह डायस्टोलिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इसमें रीडिंग गलत होती है यदि दोबारा पड़ताल करती जल्दी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दब गिरने पर ये गाप्रव हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस “साइलेंट गैप” रीडिंग में गलती हो सकती है।

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्ति का पता लगे तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मध्यमेह (डायविटीज) के बोतक छिप्प और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि उम्मीदवार के ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोमूर्गिया) के सिवाय, अभेक्षित मेडिकल फिल्डेन्स के स्टेटर्ड के अनुरूप पाएँ तो वह उम्मीदवार को इस मर्त्ते के साथ फिल्ड ओविट कर सकता है कि ग्लूकोज मध्यमेही (उम्मीदवार को इस मर्त्ते के पास भेजेगा जिसके पास अस्थातास और प्रयोगशाला सुविधाएँ हों)। मेडिकल विशेषज्ञ स्टेटर्ड-ब्लड यूस्त टालरेंस टेस्ट समेत जो भी किलिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएँ जल्दी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा। जिस प्रत मेडिकल बोर्ड की ‘फिट’ ‘अनफिट’ की अंतिम राम आधारित होगी। दूसरे प्रश्नसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जल्दी होगा, औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जल्दी ही सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते वा उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा ना हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तरीका से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बालों का प्रेक्षण किया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों लाखों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में भीमारी ना कोई छिप्प नहीं है। यदि कोई कान लगी खाली हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि मुनने की खाली न हो इलाज शाल्य किया (आपरेशन) या हियरिंग एड के लक्जेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अवोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है वशर्ते कि कान की भीमारी बढ़ने वाली न

हो। यह उपबंध भारतीय रेल भड़ार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप ‘क’, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप ‘क’ और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी की सेवा ग्रुप ‘क’ और सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप ‘क’ पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शन जानकारी दी जाती है :—

- (1) एक कान में प्रकट अव्यवहार से वह वारपान 30 डेसिबल तक हो तो गैर-उक्तीकी कार्यों के लिए योग्य।
- (2) दोनों कानों में वारपेन का प्रथम श्रोत्र छिप्प से अव्यवहार में वारपान 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-उक्तीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।
- (3) सेंट्रल अधिकारी अधिकारी द्वारा कान में वारपेन का प्रथम श्रोत्र छिप्प से अव्यवहार में वारपान 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-उक्तीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।
- (1) एक कान सामान्य दूसरे कान में टिम्पोनिक अव्यवहार का छिप्प हो तो अस्थायी अव्यवहार पर अव्योग्य। कान की वार्त्य चिकित्सा हिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अस्थायी रूप से अप्रोग्य घोषित करके उस पर नीति दिए गए नियम (ii) के अधीन विवार किया जा सकता है।
- (2) दोनों कानों से मार्जिनल या एंटिक वेधन होने पर अव्योग्य।
- (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिप्प होने पर अस्थायी रूप से अप्रोग्य।
- (1) किसी एक कान में सामान्य रूप से एक ओड से मस्टायड केविटी से सुनाई होता है तो दूसरे कान में सेंट्रल-वार्त्य अव्यवहार का नाम/मस्टायड केविटी होने पर उक्तीकी तथा गैर-उक्तीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।
- (2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए योग्य। किसी भी कान की अव्यवहार अव्यवहार या लगाकर अव्यवहार बिना लगाए मुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-उक्तीकी ऊपरों के लिए योग्य।
- (5) अन्ते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला।

- (6) नासा पट्ट की हड्डी संबंधी (1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के विषयमताओं (बोनी डिपार्मेंटी) अनुमार निर्णय लिया जाएगा।
सहित अथवा उससे गहित नाक (2) लक्षणों सहित नासा पट्ट विचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (7) टोंसिल्स और या कण्ठकी (1) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रवाहक वशाएँ।
(2) यदि आवाज में अस्थायिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (8) कान नाक गले (ई०एन०टी०) (1) हल्का दृश्यमार अस्थायी रूप से अयोग्य।
(2) मैलिंगनेंट दृश्यमार—अयोग्य।
- (9) आटोमकिनीरोमिस (1) आटोसा किकिरीमिस भापरेशन के बाव या श्ववण यंत्र की सहायता से श्ववणता 30 घेसीबल के अन्वर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष। (1) यदि काम-काज में बाधक न हो—योग्य।
(2) यदि आरी मात्रा में हक्कलाहट हो—अयोग्य।
- (11) नेसलपोषी अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (ख) वह विना हक्कलाहट बोल लेना/लेती है।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती का फुलाव पर्याप्त है तथा उसका विल व फेकड़े ठीक हैं।
- (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रप्थर नहीं है।
- (छ) उसे हाईड्रेसिल, स्फीत शिरा या बवामीर तो नहीं है।
- (ज) उसके शंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी मंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से त्रिलती हैं।
- (झ) उसको कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।
- (ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनमें कमजोर गठन का पता लगे।
- (अ) उसके परीर पर टीके के निशान हैं।
- (इ) कोई संचारी (कम्यूनिकेशन) रोग नहीं है।

12. विल और फेकड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो सभी मामले में नेमी रूप से छाती की एकसरे परीक्षण की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि संदेह हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तब बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा इयूटी के अपेक्षित वक्ता-पूर्वक विद्यादिन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

13. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति में 50 रु का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें प्रपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वतंत्र घोषित किया जाएगा। जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जब्त कर दिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के माथ किसी रजिस्टर्ड डाक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करके विशेष तौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार को चिकित्सा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने की उसे जानकारी है। जब उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड के समने उपस्थित हो तो उसके पास इस प्रमाण-पत्र की प्रति अवश्य हाती चाहिए। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए अवश्य अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की अवस्था उम्मीदवार के खर्च पर ही की जाएगी। अपीलीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा* परीक्षा के सम्बन्ध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

14. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और इस के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जायेगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाए जाने वाले स्टेण्डर्ड से सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा यदि कोई हो), के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसी व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (प्रापाईटिंग प्राथारिटी) को यह सत्सल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी, रक्तना सम्बन्धी दोष या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इन्फर्मिटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह नात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर भी समयपूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह नोट कर लिया जाए कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्तीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक माना गया है।

महिला उम्मीदवार को परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर के मेडिकल बोर्ड के सवाय के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाएगा।

ऐसे मेडिकल में जब कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तोर पर उसके अस्तीकृत किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु मेडिकल बोर्ड में जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामले में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई अपस्ति नहीं है और जबकि वह खराबी दूर हो जाए तो सम्बद्ध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और भागे की

अवधि के लिए अस्थायी तौर पर आयोग्य घोषित न कर, नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा को प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि चाहे तो ऐसे निर्णय के विशद् अपील कर सकते हैं।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्न-लिखित अनेक विवरण देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्सेरेण्ट) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है:-

1. अपना पूरा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें।

2. (क) क्या आप ऐसी जाति से गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिवासी आदि में से किसी से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है? 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए।

उत्तर 'हाँ' में तो उस जाति का नाम बनाइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेवक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुआर, ग्रंथियों (ग्लेन्डम) का बढ़ना या इनमें पीर पड़ना, थूक में खून आना, बमा, दिन की बीमारी, फेरुड़े की बीमारी, मूठी के दोरे रिहूमेटिज्म, एंडेंडिमैटिज्म हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्बलता जिसके कारण शर्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो।

.....

.....

.....

4. क्या आपको अधिक काम या किस दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्स सेस) हुई?

.....

.....

.....

३. श्रीपते परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्यारेंद्रे :—

यदि मैंतों	मृत्यु के समय	श्रापके कितने	श्रापके कितने	यदि मैंतों	मृत्यु के समय	श्रापकी कितनी श्रापकी कितनी
जीवित हों तो	पिता की	भाई जीवित	बोहिनी की मृत्यु	जीवित ही ती	मौता की श्रायु	बहौने जीवित बहिनी की मृत्यु
उनकी आयु	आयु और	है, उनकी	हो चुकी है, मृत्यु	उनकी आयु	और मृत्यु का	है उनकी आयु हो चुकी है, मृत्यु
और स्वास्थ्य	मृत्यु का	श्रायु और	के समय उनकी	और स्वास्थ्य	कारण	और स्वास्थ्य के समय उनकी
की अवस्था	कारण	स्वास्थ्य की	श्रायु और मृत्यु	की अवस्था	की कारण	की अवस्था श्रायु और मृत्यु का कारण
	अवस्था	का कारण				

1 2 3 4 5 6 7 8

६. क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

७. यदि ऑफर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बतलाएँ किसी सेवा/किस सेवाओं में पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

८. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

९. मेडिकल बोर्ड कब और कहाँ था?

१०. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो?

मैं धोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर लिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
..... मेरे सामने हस्ताक्षर किए
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त क्वेंचन की यथावत के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा।

ओम-वृक्षकर किसी सूचना को छिपाने से वह भिर्युक्त खो बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बाधक नियुक्ति भता (सुपरएन्युएशन अलाउन्स) का प्रानुसारिक (ग्रेच्युटी) के सभी व्यावों से हाथ धो बैठेगा।

(x) उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :

(उम्मीदवार का नाम)

१. सामान्य विकास : अच्छा साधारण कम

पोषण : पश्चात औसत मोटा

कब (जूने उतार कर) यकृत वजन

अस्थुसम वजन

कम

वजन में कोई हाल ही में दूआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेर

(1) पूरा सांस खोने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

२. त्वचा

कोई प्रत्यक्ष धीमारी

३. नेत्र

(1) कोई धीमारी

- (2) रक्षाधी
- (3) अर्ण दशीन संबंधी दीप
- (4) दृष्टि भेत्र (फोल्ड ऑफ विजय)
- (5) दृष्टि तीर्थणता (विजयपुर एकिवटी)
- (6) फँडस की जांच

दृष्टि की तीर्थणता

चश्मे की प्रवलता
चश्मे के बिला चश्मों के
साथ सहफी। चश्मे के
बिना चश्मे के साथ
सिवि
एस० पी० एस० सी०
सीस

दूर की मजर दा०ने०
बा०ने०

पास की मजर दा०ने०
बा०ने०

हाईपरमेट्रोपिया दा०ने०
बा०ने०

4. कान निरोक्षण सुनना
काया कान काया कान
.....

5. प्रथमीया आयरोइड

6. दांतों की हालत

7. श्वेतम तंत्र (रेसोफिटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सोंस के अंगों में किसी अतिरिक्तात्मकता का पता छलता है ।

थिंग ही तो उसका पूरा अध्ययन है ।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्यूलरी सिस्टम) :

- (क) दृव्य : कोई आंगिक विकास (आर्गेनिक लीजन)
(वेग) (टेट)
खड़े होने पर
25 बार फुटकरने के बाद
फुटकरने के 2 मिनट बाद
(ख) लकड़ प्रेशर
डायरेस्टाइलिंग
- सिस्टामिक

9. उदर (चेट); चेर (ऐंडरनेस)

हनिवा

(क) अपरीय यकृत

तिल्ली

गुर्वा

द्यूमरर्स

(छ) रक्तार्थ

भगन्दर

10. तांत्रिक (नर्वस सिस्टम) : तांत्रिक या मानसिक अस्तता का संकेत ।

11. जलम तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) : कोई असामान्यता ।

12. जनन मूल्य तंत्र (जेनिटों यूरीनरी सिस्टम) : हाइड्रो-सील, वरिकासील आदि का कोई संकेत । मूल विश्लेषण ।

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) विशिष्ट घनत्व (स्पैसिफिक प्रेविटी)

(ग) एल्ब्यूमेन

(घ) शक्कर

(ड) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेस्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट ।

14. क्या उम्मीदवार के स्थास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध जिसका वह उम्मीदवार है, इयटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ।

नोट: यदि उम्मीदवार कोई भहिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा ।

15. निम्नलिखित 7 श्रेणियों में से उम्मीदवार का किस सेवा के लिए परीक्षण किया गया है तथा अचने कर्तव्यों को बिना आधा के भली-भाति निभाने के लिए उन्हें किस सेवा के लिए पूरी तरह से सक्षम पाया गया है तथा उनमें से किन सेवाओं के लिए सक्षम नहीं पाया गया है :—

(1) रेल इंजीनियरी सेवा ग्रेड "क" (सिविल, वैद्युत, यांत्रिक तथा सिग्नल) सी० ई० एस० ग्रेड "क", सी० ई० एवं एम० ई० एस० ग्रेड "क" ।

(2) आई० आई० एस० ग्रेड "क", सी० डब्ल्यू० ई० एस० ग्रेड "क", सी० पी० ई० एस० ग्रेड "क" सी० ई० एस० (सड़क) ग्रेड "क"

सहायक कार्यकारी इंजीनियर तथा सहायक इंजीनियर, (पी एण टी बोर्ड) (सिविल इंजीनियरी स्कन्ध इंजीनियर के पद ग्रेड "क" (डब्ल्यू पी तथा सी स्कन्ध मानीटर संगठन), आई बी एम, आई एन ए एस ग्रेड "क" बी आर ई एम ग्रेड "क" ।

(3) रक्षा मंत्रालय भारतीय सर्वेक्षण में एम ई० एस ग्रेड क तथा कार्यशाला अधिकारी ग्रेड क तथा ग्रेड ख

(4) आई ओ एफ एस (ग्रेड क) ।

(5) डाक एवं तार विभाग में सहायक प्रबंधक (कारखाना), ग्रेड क

(6) आई टी एस ग्रेड 'क' ।

(7) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में आई आर० एस एस ग्रेड "क" आई एस एस ग्रेड क, आई टी एस ग्रेड ख तथा सहायक छुलिंग इंजीनियर ग्रेड क के पद, यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रेड क तथा सहायक यांत्रिक इंजीनियर, ग्रेड ख और भारी उच्चोग विभाग में सहायक निदेशक (तकनीकी) ।

नोट :—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित बग्गे में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए :—

(1) योग्य (फिट)	(2) के कारण अयोग्य (अनफिट)
प्रध्यक्ष	
सदस्य	

स्थान :

तारीख :

परिशिष्ट—३

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है

- भारतीय रेल इंजीनियर सेवा भारतीय रेल विद्युत इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल सिर्फनल इंजीनियरी सेवा भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा ।

(क) परिवीक्षा :—इन सेवाओं के लिए किए गए भर्ती उम्मीदवार सीन वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें वो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा । यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तब नुसार परिवीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी परिवीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परिवीक्षा को कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है ।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अनुसार वो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा । उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाये :—

(ग) नियुक्ति की समाप्ति

(1) परिवीक्षा की अवधि के दौरान वोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर परिवीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है । किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2) के उल्लंघनों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है ।

(2) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आवश्यण असंतोषजनक रहे या उसके कार्य कुशल बनने को संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है ।

(3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं । परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है ।

(घ) स्थायीकरण :—परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों से पोष्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन

अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

(ज) वेतनमान :—

(1) कनिष्ठ वेतनमान :—₹ 2200-75-2800 द०
रो० 100-4000

(2) वरिष्ठ वेतनमान :—
3000-100-3500-125-4500

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—₹ 3700-125-
4700-150-5000

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—₹ 5900-200-
6700

इसके अतिरिक्त ₹ 5900 तथा 8000 के वेतन के बीच के सुपरटाइम वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के मूलतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परिवीक्षा पर विताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

मंहगाई तथा अन्य भौति सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोका या स्थगित किया जा सकता है।

(क) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :—यदि किसी कारणबश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियन्त्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परिवीक्षकों से एक बन्ध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्त होते परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना होगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा मासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर वितायी गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा सत्त्वोपजनक रूप में पूरी कर लेने पर उनके स्थायी करने/कार्य करने रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि

अधिकारी स्फायी/नियोजन/ब्ररकरारी के उपयुक्त नहीं हैं, या परिवीक्षा की इम अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के द्वारान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाव अपले ऊंचे ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति के पास होने वाले कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति वरें निम्न प्रकार है :—

पद	वेतनमात्र
----	-----------

(1) कनिष्ठ समय वेतनमात्र रु० 2200—75—2800—इ०
(सहायक कार्यपालक रु०—100+4000
इंजीनियर)

(2) वरिष्ठ समय वेतनमात्र रु० 3000—100—3500—
(कार्यपालक इंजीनियर) 125-4500

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु० 3700—125—4700—150—
(अधीक्षक इंजीनियर) 5000
क. सामान्य ग्रेड रु० 4500—150—5700
ख. चयन ग्रेड रु० 5900—200—6700

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड
(अधीक्षक इंजीनियर)

(5) सुपरटाइम स्केल
अपर महानिदेशक रु० 7300—7600
महानिदेशक (डब्ल्यू०) रु. 8000 नियत
(ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल, और यांत्रिक तथा आर्स्ट्रु इंजीनियरों के लिए समान हैं)

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अधिकारी किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर० 22 (बी) (1) के अनुसार विभिन्नमिति किया जाएगा।

(इ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) और केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) के पदों से लबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरवाचिकों का स्वरूप—

1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आकाशीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा अनुरूपाधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि सम्प्रसित हैं, आयोजन अभियान निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाये जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

2. केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत घटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सर्वसेवन तथा पावर हाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतक, हवाई अड्डों की रत्नेलाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिच्छलन, निर्माण सशीलनी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्प्रसित हैं। आयोजन, अभियान निर्माण और रख-रखाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरों के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते ये पदोन्नत होकर विभाग में विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

3. सेवा इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

(क) इन हुए उम्मीदवारों को वो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित तभा भावा सम्बन्धीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़े सकती है। यद्युपरि सरकार भी राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंबोधजवाक रहा है या ऐसा आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर प्राप्त है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार

उसे नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोष-जनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की परिवीक्षा की अवधि के दौरान एम० ई० एम० प्रोटीजर सुपरिल्टडेंट वी० आर० ए४७ ई० एम०प्रिड-1, एक्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राग् (मैट्रिक्युलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को:—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
 - (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (II) उम्मीदवारों पर एस० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइब्रिलिटी) रूल्स के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) ग्राह्य वेतन की वर्ते निम्नलिखित हैं:—

- (क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर/
सहायक निर्माण सर्वेक्षक
रु० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000
- (ख) कार्यकारी इंजीनियर/
निर्माण सर्वेक्षक
रु० 3000-100-3500-125-4500

- (ग) अधीक्षक इंजीनियर
(साधारण ग्रेड)/
अधीक्षक निर्माण
सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड)
रु० 3700-125-4700-150-5000

- (घ) अधीक्षक इंजीनियर
(चयन ग्रेड)
अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक
(चयन ग्रेड)
रु० 4500-150-5700

- (ङ) अपर मुख्य अधियंता—
~4500-150-5700 रु० + 400/- रुपए
प्रतिमास का विशेष वेतन

(च) मुख्य अधियंता/
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक
5900-200-6700 रुपए

(छ) अपर महानिर्देशक (निर्माण)
7300-100-7600 रु०

4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिर्देशक, आयुध कारखाना अध्यक्ष आयुद्ध कारखाना वोर्ड की सिफारिश पर परिवीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथाविहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। भाषा के प्रशिक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जायेगा। किन्तु परिवीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की सामाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोष-जनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से बस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवार पर एस० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइब्रिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय है:—

कनिष्ठ समय वेतनमान—रु० 2200-75-2800-द० रो०-100-4000/-

वरिष्ठ समय वेतनमान—रु० 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य ग्रेड) — ₹ 3700-
125-4700-150-5000/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (ध्ययन ग्रेड) — ₹ 4500-150
5700/-

वरिष्ठ ध्यायनित ग्रेड — ₹ 900-200-6700/-

वरिष्ठ जनरल मैनेजर — ₹ 7300-100-7600/-

अतिरिक्त महानिदेशक, आयुद्ध कारखाना/मदरस्य, आग्रह,
कारखाना बोर्ड — ₹ 7300-200-7500-250-8000/-

महानिदेशक आयुद्ध कारखाना/अध्यक्ष आयुद्ध कारखाना,
बोर्ड — ₹ 8000/-

टिप्पणी :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राविधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका है उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० 15(6)/64/डी (एपाइन्टमेंट्स) /1051/डी० (सी० 41) विनाक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(ग) परिवीक्षाधीन अधिकारियों की मसूरी / नागपुर फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

(ङ) इन प्रकार भर्ती हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्राप्त करने से पहले एक बन्धपत्र भरना होगा।

६. भारतीय दूर संचार (भृप क)

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परिवीक्षा पर की जायेगी। सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण आदि असंतोषजनक है या उसे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा अवधि पूरी ही जाने पर सरकार उस वक्त नियुक्ति पर स्थाई बना सकती है या यक्ष दरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है या जितनी ठोक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षा एवं निर्धारित की जाए, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होती है। उनको स्थाई किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(घ) अधिकारियों को ध्यायसाय तथा भृत्य संबंधी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी से भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विस्तृत गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कर्म से कर्म चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (१) नियुक्ति की तारीख से वह वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य करना होगा।
- (२) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) निम्नलिखित वेतनमान भाव्य है :—

- (१) कनिष्ठ समय वेतनमान — 2000-75-2800 रु० ३०-100-4000 रु०
- (२) वरिष्ठ समय वेतनमान — 3000-100-3500 125-4500 रु०
- (३) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड — 3700-125-4700-150-5000 रु०
- (४) ध्ययन ग्रेड — 4500-150-5700 रु०
- (५) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड — 5900-200-6700 रु०
- (६) सी० जा० एम० ग्रेड — 7300-100-7600 रु०
- (७) सलाहकार ग्रेड — 7300-200-7500 250-8000 रु०
- (८) अधिकारीगण दूर संचार आयोग के सदस्यों के पदों के लिए विचार किए जाने के लिए भी पात्र होंगे तथा यह भारत सरकार के सचिव के समकक्ष होगा—8000 रु०

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उनका वेतन एफ० आर० (22) भी (१) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के अधीन कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन वेतन ₹० 2350/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर सके।

(ङ) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों से मम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

सहायक लिखीजनल इंजीनियर

सहायक डिवीजनल इंजीनियर टेलीआप-टेलीफोन इंजीनियरी मध्य डिवीजन, केरियर, बी० एफ० टी० कोएक्सीअल माइक्रो-वेव, लांग डिस्टेंस इलैक्ट्रिक तथा वायरलेस स्टेशन के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिवीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। ये विभिन्न दूर संचार नियमण के संस्थापन परियोजना संगठन से भी जड़े रहेंगे।

डिलीजन्स इंजीनियर

डिवीजनल इंजीनियर को टेलीफ्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवीजन में जिसमें लांग डिस्टेंस, कोर्टिकल अल माइक्रोवेव, मैटिनेंस डिवीजन तथा बायरलैस डिवीजन शामिल है, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीफोनों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवीजन में रह करके कार्य करेंगे। जब डिवीजन अधिकारी इंजीनियरी/परियोजना मंगठन पर लगाए जाने हैं तो उन्हें यनिट में निर्माण/मंस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा

दूर संचार सक्ति और टेलीफोन इस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धित परिस्थितियों के प्रणालिन और दूर संचार संस्थाओं के प्रणालिन तथा आयोजन के लिए दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार है। वे माइनर टेली-फोन इस्ट्रिक्ट दूर संचार सक्ति, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

ପରିଚ୍ୟ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପ୍ରେସ୍ ଏବଂ ଶ୍ରୀହରିହେମଙ୍କ ପ୍ରେସ୍

दूर संचार सकिन/टेलीफोन इंस्ट्रुमेंट प्रोग्रेस एक्सिल दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र का अधिकार, जो कार्यभार में उसका पूरी नस्खा में प्रबंध प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होता। उप महानिवेशक दूर संचार आयोग, दूर संचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समय प्रशासन करने में उच्चवस्तरीय सहायता प्रदान करता है। वरिष्ठ उप महानिवेशक दूर संचार इंजीनियरों फैलाव तथा उप महानिवेशक, दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र के अनुसंधान संबंधी समग्र कार्यकारियों के लिए जिम्मेदार है।

6. केन्द्रीय जन इंजीनियरी (ग्रप 'क') सेवा

(1) केन्द्रीय जंल आयोग में सहायक निवेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के सिए परिकाशा पर रहेने।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उम्र के अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बड़ा सारली है।

यदि परिवीक्षा की उपर्युक्त या बड़ी हुई श्रवणि, जैसी भी स्थिति हो, सभापति होने पर सरकार की यह यथा ही कि उम्मीदवार स्थार्ह नियोजन हेतु उपर्युक्त नहीं है या परिवीक्षा की हुई श्रवणि

या बड़ी हुई अधिकार के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त महीने होगा। तो इतने अधिकार या बड़ी हुई अधिकार के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त-अधिकारी को वार्षिक मुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो छीन समझे वह आदेश पासित कर सकती है।

परिवेक्षा की प्रवधि के दौरान परहार उम्मीदवारों से प्रश्नावर्तीकरण का गेमा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परिवेक्षा की सफलता पर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतिशेगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि शावस्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से संबंधित किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो, महिने कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :-

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) सावधारणा 40 वर्ष की आयु हो जाने के प्रदर्शन पर्याप्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) महायक निदेशक/महायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित गते पूरी करने के बाद उपनिदेशक/कार्यपालक इंजीनियर अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक वा धारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (बयन ग्रेड) मुख्य इंजीनियर (स्तर 2) मु० ₹० (स्तर-१) में सदस्य/अध्यक्ष सी० डब्ल्यू० सी० के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जन प्रायोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वैतनमात्र तिम्ह प्रकार है :-

१. केन्द्रीय गुल आपोग में सिविल और यांत्रिक पद

१. महारक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियरी—
इ० 2200-75-2800-द०रो०-100-4000।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी हंजीनिधर—६० 3000-
100-3500-125-4500 ।

3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण प्रेत) -रु
3700-125-4700-150-5000।

4. निदेणक अधीक्षक इंजीनियर (चयन सेड) - ₹० 4500/-
150-5700।

5. मध्य इंजीनियर—₹० ५८००-२००=६७००।

6. सदस्य सी० डॉल्यू० सी०/अध्यक्ष, जी० एफ० सी० सी०-
ह० 7300-100-7600 ।

7. ଅଧ୍ୟକ୍ଷ, ସୀଠ ଡକ୍ଟର ମୀପ-ନୁ ୪୦୦୦ (ନିୟତ)

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों से संबंधित संस्थाओं और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक निवेशक (सिविल और यांत्रिक)

सिचाई, नौचालान, विद्युत घरेलू, जल प्रापूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए प्राकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषक तथा अधिकार्यता।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आवंटित उपमण्डल य अन्य एककों के निम्नांक कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ सथा भण्डारी का लेखाजोखा रखना होगा तथा परोक्ष रूप में उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप वहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा

(1) संगठन का विवरण

विद्युत (प्रापूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3)

(1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अधिकारणों के कार्यकालापों में सम्बन्ध करने के लिए एक सुवृद्ध पर्याप्त और एकलूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण वितरण और विषुद्ध प्रापूर्ति का उपयोग) की संभावना तकनीकी विवेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संविकाश की जाती है कि ये योजनायें राज्यों तथा क्षेत्रों के समस्त विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के अनुरूपी होंगे। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य नियंत्रणीयता व्यवाधार करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए संघ लोक सेवा भाग्योग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है। द० 2200-4000 के वेतनमान के सहायक निवेशक, (ग्रेड-1) सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में पञ्चास प्रतिशत रिक्तियां संघ लोक सेवा भाग्योग व्यावारा वास्तिक आधार पर सी गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निवेशक (ग्रेड-1)

सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकत वो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहाँ आवश्यक हो वहाँ सरकार उक्त वो वर्ष की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो कि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है इस अवधि एसी परिवीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवामुक्त कर सकती है वा उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे अंदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित समझे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुबोध का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को संसोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाएं।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस अवधि में व्यक्ति को —

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और

(ब) सामान्यतः 40 वर्ष की प्राप्ति हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निवेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्त अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा नियमावली, 1990 में निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उच्चे ग्रेडों अर्थात् उपनिवेशक कार्यपालक इंजीनियर, निवेशक/अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) निवेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड), उप मुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं वशते कि संबंध ग्रेड में नियुक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वेतनमान

केन्द्रीय विष्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विष्युत इंजीनियर (ग्रुप 'क') के सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

केन्द्रीय विष्युत प्राधिकरण में विष्युत यांत्रिक और बूर्ज संचार से संबद्ध पद :—

क्रसं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर	₹० 2200-75-2800- द० रो० 100-4000
2.	उप निदेशक कार्यकारी इंजीनियर	₹० 3000-100- 3500-125-4000
3.	निदेशक अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	₹० 3700-125- 4700-150-5000
4.	निदेशक अधीक्षण इंजीनियर (अध्यन ग्रेड)	₹० 4500-150- 5700
5.	मुख्य इंजीनियर सदस्य — सचिव	₹० 5900-200-6700

(5) कर्तव्य और व्यायिक्षण

सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों के और व्यायिक्षणों के स्वरूप इस प्रकार है :—

विष्युत विकास के क्षेत्रों का विविध प्रकार की समस्याओं से संबद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर संबंध। उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन अनुसरण तथा विष्युत योजनाओं परियोजनाओं अभिकलन आदि के तैयार करने में सहायता देते हए उनकी संरचना तथा वितरण / विष्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना समिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उन मडल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

8. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप 'क' का पद) पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्तियों दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अवधिकालीन अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके हारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विविध पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। उन्हें क्रमशः ₹२२००-७५-२५००-द० रो० 100-4000 के समय वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समस्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है :—

(क) वरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) ₹० 2200-७५-२५०० द० रो० 100-4000 के लिए

- (1) वरमा इंजीनियर (वरिष्ठ) ₹० 3000-१००-
3500-१२५-४५००
- (2) निदेशक (वरमा) ₹० 3700-१२५-
4700-१५०-५०००
- (3) उप-महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा) ₹० 5900-२००-६७००
- (4) वरिष्ठ उप महानिदेशक ₹० 7300-१००-७६००
- (ख) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' ₹० 2200-७५-२५००-
द० रो० 100-4000
- (1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ) ₹० 3000-१००-
3500-१२५-४५००
- (2) निवेशक (यांत्रिक-इंजीनियरी) ₹० 3700-१२५-४७००-
15०-५०००
- (3) उप महानिवेशक ₹० 5900-२००-६७०० (इंजीनियरी सेवा)
- (4) वरिष्ठ उप महानिवेशक ₹० 7300-१००-७६००

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

ग्रेड :-—उम सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षा-धीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत् हैसियत से किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं, एफ० आर० २२-व (१) के उपबंधों के अधीन विभिन्निमित किया जाएगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्व का स्वरूप

वरमा वाहनों और अन्य उपस्करण अनुसरण तथा भरमत, विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए ज्ञानवरों तथा वाहनों का आवंटन पी० ओ० एल० अंकों तथा अभिलेखों, लाँग दुक, इति वृत्तियों की रांकीक्षा तथा अनुसरण। इनिंग और वैज्ञानिक अनुबंधियों का संविरस्ता तथा विनिर्माण।

वरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)

कोर रिकवरी का दृष्टातम प्रतिशत करते हुए एक या अधिक इनिंग रियों से खनिज अन्वेषण के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भूदारों और उसको संस्थे गए हमप्रेस्ट को ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भूदारों तथा रोकड़ लेखों को रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग को देखना।

9. इंजीनियर ग्रुप-क वायरलैस योजना और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग)

(क) वेतनमान रुपए 2200-75-2800-द० २००-100
4000।

(ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियरों के पदधारी सहायक वायरलैस सलाहकार, वायरलैस योजना और समन्वय। स्कम्ब्धों इंजीनियर प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रुपए 3000-100-3500-125-4500 तथा सहायक वायरलैस सलाहकार के पद के लिए रुपए 200/- प्रतिमास विशेषवेतन) के ग्रेड में रिक्तियों पर 100 प्रतिशत घोषणा के पाल हैं। सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभार के ग्रेड में उन की पदोन्नति युग्म के पदों के लिए संग्रहित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके ध्यन के आधार पर की जाएगी। सहायक वायरलैस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलैस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलैस सलाहकार/उप निदेशक (वेतनमान रु 3700-125-4700-150-5000) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप वायरलैस सलाहकार उप निदेशक के ग्रेड में रिक्तियों युग्म के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर ध्यन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

आगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति द्वारा पूर्णोक्त अवेक्षण ल्यनतम पालना की है और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्ति की उगलधना पर होगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(१) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और

(२) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(इ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

(१) उग्य० री० री० राजप्र० राजराज० मानिडिंग सम-ठन के विभिन्न एकत्रों के कर्तव्यादीयों का पर्यवेक्षण, निर्देशा तथा गतिशील

(२) सम्बद्ध रेडियो आवृत्ति वर्णकम् तथा विभिन्न प्रकार के उत्पर्जन को आवृत्त करने वाली रेडियो आवृत्ति मानीटरन में प्रयुक्त इलैक्ट्रोनिकीकरण के विभिन्न वर्गों एंटिना तथा महायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।

(३) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के वायरलैस प्रतिष्ठानों का अनुशासन एवं निरीक्षण।

(४) रेडियो आवृत्ति वर्णकम् तथा तुरथकाली उपग्रहकक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना-उपस्कर का एकारण—अनुमोदन वैश्वत् अम्बिकीय व्यवधान/संसंगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो।

(५) सम्बद्ध राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रबर्तन।

(६) प्रशीणता/रेडियो अव्यवसायी प्रमाण-पत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना।

(७) रेडियो आवृत्ति प्रवर्त्य तथा मानीटरन से सम्बद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।

(8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ दूर संचार से संबंधित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबन्ध करना।

10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (रडक) (ग्रुप 'क')

(क) चने छुट उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षाके आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार वह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजक के योग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधिके दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इम प्रतिवेदिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई, अवधि (यदि कोई हो) संक्रित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस अवधिको—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान देय हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

रु 2200-75-2800-द० रु०-100-40000/-

कार्यकारी इंजीनियर—

रु 3000-100-3500-125-4500/-

अधीक्षक इंजीनियर—

रु 3700-125-4700-150-5000/-

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) —

रु 4500-150-5700/-

मूल्य इंजीनियर (रडक/पुल) यांत्रिक—

रु 5900-200-6700/-

प्रतिरिक्षित महानिवेशक (रडक/पुल) —

रु 7300-100-7600/-

प्रतिरिक्षित संचिव महानिवेशक (रडक विकास)

रु 7300-200-7500-250-8000/-

टिप्पणी —उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के प्रतिरिक्षित स्थायी रूप पर है (एक० आर० 22-ख 1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(थ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (रडक) पुल ग्रुप 'क' के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सिविल इंजीनियरी पद

रडकों/पुलों के निर्माण के डिजाइनों की योजना बनाने उनके आकलन तैयार करने में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों के बरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों आदि की सहायता करना और राज्यों से ऐसे निर्माणों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना।

यांत्रिक इंजीनियरी पद

रडकों/पुलों के निर्माण उपस्करों के आयोजन, प्राप्ति, प्रचालन और अनुरक्षण में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में बरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना, इस प्रकार के उपस्करों की मरम्मत तथा रख-रखाव के लिए आकलन तैयार करना और राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों और आकलनों की समीक्षा करना।

11. भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा, मूल्यना और प्रसारण मंत्रालय

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान सीधे भर्ती द्वारा या पब्लिक द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा।

(1) किन्तु यह है कि नियंत्रण अधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार बदला या बदा सकता है।

(2) अगली यह है कि परिवीक्षा अवधि बदाने देते हुए निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समाप्ति के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समाप्ति पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर

नियुक्ति आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी व्याधिवित उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

- (4) यदि परिवीक्षा या वढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार वा यह मत ही कि कोई अधिकारी संग्राम में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।
- (5) परिवीक्षा या वढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के बौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समाप्ति की शर्त के रूप में सरकार द्वारा व्याधिवित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।
- (ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के विभिन्न घटों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—चाहे वे “आकाश-बाणी” में हों या “दूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।
- (ग) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तें :—
- (1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है।
 - (2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को :—
 - (1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख में 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।
 - (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा। - (घ) उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके सम्बन्ध में इन नियमों में कोई अवधारणा नहीं है।

ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार है :—

- (1) कमिल वेतनमान
रु. 2000-75-2800 दूरों 100-4000/-

- (2) वरिष्ठ वेतनमान
रु. 3000-100-3500-125-4500/-
- (3) जै० ए० जी०
रु. 3700-125-4700-150-5000/-
- (4) जै० ए० जी० (चयन घेड़)
रु. 4500-150-5700/-
- (5) एस० ए० जी०
रु. 5900-200-6700/-
- (6) इंजीनियर-इन-चीफ
रु. 7300-100-7600/-

भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा भूप ‘क’ के कनिष्ठ वेतनमान के पद के सम्बद्ध कार्य तथा उत्तरदायित्व के प्रकार ब्रॉडकास्ट, डी० वी० स्टूडियो और ड्रांसमीटरों का अभिकल्पन, गंस्यापान, प्रचालन और अनुरक्षण सहायक इंजीनियरों के कार्य पर्यावरण का उत्तरदायित्व।

भारतीय नौसेना आयुद्ध सेवा

- (क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्ति किया जाएगा और यह अवधि सक्रम प्राधिकारी की विविक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्रम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा-मुक्ति किया जा सकेगा।
- (ख) सक्रम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) बेकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।
- (ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रथम सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन होंगे। वे समय-समय पर संशोधित फील्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।
- (घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

- (ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—भूप-क—राजपत्रित
(1) उप-आयुध आपूर्ति रु. 2200-75-2800-अधिकारी घेड़-II दूरों 100-4000

(ii) उप-आयुष्म आपूर्ति अधिकारी ग्रेड-I	रु. 3000-100-3500- 125-4500
(iii) नौसेना आयुष्म आपूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)	रु. 3700-125-4700- 150-5000
(iv) नौसेना आयुष्म आपूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)	रु. 4500-150-5700
(v) निदेशक आयुष्म आपूर्ति	रु. 5900-200-6700
(ष) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—	

(1) उप-आयुष्म पूर्ति अधिकारी ग्रेड—

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप-आयुष्म पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं द्वारा व्ययन के आधार पर रु. 3000—4500/- के बेतनमान में उप-आयुष्म पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदोन्नति के पात्र हैं। परम्परा के बाल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर की हो जो तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स आई० आई० टी० किरकी या तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद सी गई हो।

(2) नौसेना आयुष्म पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप-आयुष्म पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा व्ययन किए जाने के आधार पर रुपये 3700—5000/- के बेतनमान में नौसेना आयुष्म पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) नौसेना आयुष्म पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुष्म पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की हो उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा व्ययन करने के आधार पर रुपये 4500—5700/- के बेतनमान में नौसेना आयुष्म पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) में पदोन्नति के पात्र हैं।

(4) आयुष्म पूर्ति निदेशक

संबंधित ग्रेड (ग्रेडों) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुष्म पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा व्ययन करने के आधार पर रु. 5900-6700/- के बेतनमान में आयुष्म पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं।

(छ) अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु या पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम वारूपा की है और संबंधित ग्रेड में पदोन्नति के बाल विकासों की उपलब्धता पर होगी।

नोट :—उन सरकारी कर्मचारियों का बेतन जो परिवीक्षा-धीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवधिक पद के अंतिरिक्त मूल रूप से अस्थायी पद धारण किए हुए थे एफ० आर० 22ब (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० के० और तदनुरूपी अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप-आयुष्म पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्थरूप।

(1) विविध यांत्रिक इलैक्ट्रोनिकी तथा विद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुष्म सामग्री की मरम्मत, आरोधन तथा अनुरक्षण से सम्बद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।

(2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए, इलैक्ट्रोनिक तथा वैद्युत उपस्करणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।

(3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियों तैयार करना।

(4) आयुष्म के लिए यांत्रिकी इलैक्ट्रोनिक तथा वैद्युत अंतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।

(5) आयुष्म (मिसाइल्स टार्गेट लाइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिकी इलैक्ट्रोनिक तथा वैद्युत मदों के उप-समुच्चय तथा समुच्चयों का आवधिक अंशकान परीक्षण/जायज।

(6) फ्लीट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आपूर्ति भंडारण सम्बन्धी संयन्त्र सश्ययता प्रदान करना।

(7) आयुष्मों के बारे में यांत्रिक इलैक्ट्रोनिक तथा वैद्युत इंजीनियरी से सम्बद्ध सभी मामलों में सम्बद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना।

13. आक तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा में सहायक कार्य-कारी इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियों परिवीक्षा आधार पर की जायेगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें प्रथानिर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा। मर्दि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य वा आचरण सन्तोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसका नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और मर्दि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण सन्तोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि की जिलमा उचित समझ और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएँ उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाए। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, वर्दि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

- (क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ग) प्राप्य वेतन द्वारा निम्न प्रकार है :

ग्रुप "क"

- (1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत)
रु 2220-75-2800-द० रो०-
100-4000/-
- (2) कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/ निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/कार्यपालक इंजीनियर (मुख्यालय)
रु 3000-100-3500-125-4500/-
- (3) अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)/ अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/अधीक्षक इंजीनियर (मुख्यालय)
रु 3700-125-4700-150-
5000/-
- (4) अधीक्षक इंजीनियर/निर्माण सर्वेक्षक अधीक्षक (सिविल/विद्युत) (चयन ग्रेड)
रु 4500-150-5700/-
- (5) मुख्य इंजीनियर (सिविल/विद्युत) (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड)
रु 5900-200-6700/-
- (6) वरिष्ठ उप महानिदेशक (भवन निर्माण)
रु 7300-100-7600/-

(घ) डाक-तार सिविल स्कंध में उक्त पदों से जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व संबद्ध है वे नीचे दिए गए हैं—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक-तार सिविल स्कंध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक-तार विभाग के

विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकधर भवन, कारबाने, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अधिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाया जाता है। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

14. ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद

(क) ई० एम० ई० कोर में कर्मशाला अधिकारी के पद पर भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) ग्राह्य वेतन की वरें निम्न प्रकार हैं :—

(i). कार्यशाला अधिकारी	रु 2000-60-2300-
‘ग्रुप ‘ख’	द० रो० 75-3200-
	100-3500
(ii) कर्मशाला अधिकारी	रु 2200-75-2800-
ग्रुप ‘क’	द० रो०-100-4000
(iii) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी	रु 3000-100-3500-
	125-4500
(iv) कर्मशाला अधीक्षक	रु 3700-125-
	4700-150-5000
(v) कर्मशाला अधीक्षक (चयन ग्रेड)	रु 4100-125-4850-
	150-5300
(vi) मुख्य इंजीनियर	रु 5100-150-
	5700।

(घ) कर्तव्य :—‘ए’, ‘बी’ और ‘सी’ वाहनों, तोप, बायर-लैस तथा रेडार उपस्कर व उपकरणों का मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। ई० एम० ई० आर्मी ब्रेस वर्कशाप/स्टेशन वर्कशाप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाप/ई० एम० ई० (रेजिमेंट के अलावा) रोजगार नियुक्तियों में कैप्टन (ई० एम० ई०) के स्थान पर कार्य करना या ई० एम० ई० प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनुदेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ङ) प्रारम्भ में उक्त पद गैर-पैशनी है लेकिन स्थायी होने पर पद पैशनी हो जाएगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेशन के सारे लाभ मिलते रहेंगे।

(च) उक्त पद के लिए चुने गए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के दायित्व से प्रतिष्ठित हैं, उनका स्वस्थतान्स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

(छ) अधिकारियों को आगे के अध्ययन जैसे एमो टेक, विभिन्न विषयों के विशेष अध्ययन जैसे रेडार, दूर संचार, टैकों तथा बंडकों आदि तथा विदेशों में विभिन्न कोसों का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

15. भारतीय आपूर्ति सेवा/भारतीय निरीक्षण सेवा

(क) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जाएगा। सरकार इसे दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकती है।

यदि परिवीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई अवधि के समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है तथा परिवीक्षा की अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारिन कर सकती है जो वह उचित समझे। अधिकारियों को स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होगी।

(ख) इन प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि सहित, यदि कोई हो, क्रम से क्रम आर वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में संबद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस घटिति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।
 - (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ग) ग्राह्य वेतन की दर निम्नलिखित है :-

कनिष्ठ समय वेतनमान

सहायक निदेशक (ग्रेड -1)

वेतन रु० 2200-75-2800-

रु० रु० - 100-4000

वरिष्ठ समय वेतनमान

उपनिदेशक

वेतन रु० 3000-100-3500-125-4500

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (मासाल्य)

निदेशक (साधारण)

वेतन रु० 3700-125-4700-150-5000।

निदेशक (नान-फंकशनल चयन ग्रेड)

वेतन रु० 4500-100-5700।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

उप महानिदेशक

वेतन रु० 5900-200-6700।

उच्च प्रशासनिक ग्रेड

अपर महानिदेशक

वेतन रु० 7300-100-7600।

टिप्पणी :-—जिस सरकारी कर्मचारी ने इस परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले आवधिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी हैसियत में काम किया है उसका वेतन एफ० आर० 22-भी(1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' से संबद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप।

भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'

इस सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्य केन्द्रीय सरकार के विभिन्न विभागों के लिए आमतौर पर आवर्ती आधार पर अपेक्षित भंडार सामग्री प्राप्त करने के लिए दीर्घावधि अनुबंधों को कार्यरूप देना है। ऐसी भंडार सामग्री में हार्डवेयर की साधारण वस्तुओं से लेकर परिष्कृत और कीपती इंजीनियरी, और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसी बहुत सी किसी शामिल हैं। आवश्यकतानुसार अनुरोध प्राप्त होने पर, इस सेवा के अधिकारियों को विभिन्न सरकारी संगठनों की तर्द्धा आवश्यकता के लिए वस्तुएँ खरीदने का प्रबंध भी करना होगा। इसके माध्यम से उसे ऐसी क्रय नीतियाँ भी तैयार करनी होंगी, जो अन्य सरकारी विभागों द्वारा अपनाई जाती हैं और ऐसे मामलों में अन्य सरकारी विभागों के अनुरोध पर उनका मार्गदर्शन भी करना होगा। उनके कार्यों में कठिनतया श्रेणी की अधिक्षेष रक्षा भंडार सामग्री का निपटान करना तथा अनुरोध प्राप्त होने पर भारतीय व्यवस्थाओं पर सरकारी माल की निकासी करना भी शामिल है। इन्हिं भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों ने ऐसे व्युविधि प्रक्रिया के कार्यों से निपटने के लिए अपेक्षित तकनीकी पृष्ठाधारों की अपेक्षा की जाती है।

भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

इन्होंनियरों वस्तुओं कथा सामग्रियों और समवर्ती भंडारों का निरीक्षण तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्य-

देखण करना तथा यह देखना कि उनके अपने कार्य तथा कर्तव्यों के संबंध में पर्याप्त निवेश मिल गए हैं, महायपूर्ण कार्य की ओर विकितगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्ट, विनिर्दिष्टियों तथा आवश्यक सूचियां बनाना और इंजीनियरी भंडारों के मांगपत्र के तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य शास्त्राओं के अधिकारियों, मांग पत्र भेजने वालों तथा सिमताओं को इंजीनियरी मामलों में तकनीकी सहायता देना।

16. सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

- (1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षणों को उत्तीर्ण करना होगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आवश्यक असंतोषजनक रहा है, तो हो मरक्ता है कि सरकार था तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परिवीक्षा अवधि यथा अवधित समय के लिए बढ़ा दे।
- (2) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित विकित्सा मानकों के अनुसार विकित्सा परीक्षा की जाएगी।
- (3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान देय है :—
 - (क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) 2200-75-2800-द०रो०-100-4000 रुपए
 - कार्यकारी इंजीनियर (मिलिट्री) 3000-100-3500-125-4500 रुपए
 - अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) 3700-125-4700-150-5000 रुपए
 - अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) 4500-150-5700 रुपए (चयन ग्रेड)
 - मुख्य इंजीनियर (सिविल) 5900-200-6700 रुपए (उचित समय में सृजन किया जाना है)

- (व) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (ई० एण्ड एम०) 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 रुपए
- कार्यकारी इंजीनियर (ई० एण्ड एम०) 3000-100-3500-125-4500 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)	3700-125-4700-150-5000 रुपए
अधीक्षक इंजीनियर (ई० एण्ड एम०) (चयन ग्रेड)	4500-150-5700 रुपए
मुख्य इंजीनियर (ई० एण्ड एम०)	5900-200-6700 रुपए (उचित समय में सृजन किया जाना है)

- (4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित भत्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारियों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर सकते हैं। अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथा यूर्वोक्त अवेक्षाण्य न्यूनतम प्राक्षया की है और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल विकित्यों की उपलब्धता पर होती। अंतिम इंजीनियरी में इस समय मुख्य इंजीनियर का कोई पद नहीं है।
- (5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की यथाग्राह्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा नागरिक प्रतिपुरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपुरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के बास्ते परिसंज्ञा भत्तों के भी हकदार हैं।
- (6) सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर ग्रन्तुशासन के मामले में घल सेवा अधिनियम, 1950 लागू होगा।
- (7) सशस्त्र सेना अधिनियम के भाग 12 के उपबंधों के सीमा सङ्क इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" पर लागू हो मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के बास्ते परिसंज्ञा नहीं होगी।

17. डाक-न्याय, दूर-संचार कारब्लाना संगठन में सहायक प्रबंधक, कारब्लाना

ग्रुप 'क' के पद

- (1) वेतनमान रुपए 2200-4000 में सहायक प्रबंधक (कारब्लाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष का अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।
- (2) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यावहारिक प्रशिक्षण जो समय-समय

यह केन्द्रीय सरकार इस नियुक्ति किया जाए, प्राप्त करना होगा ; व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी परीक्षा उम्हीर्ण करना होगा ।

(3) यदि प्रावश्यकता हुई तो महाप्रबंधक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा । किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से बस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्य 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर :—

(क) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबंधक ₹ 3000-4500 के वेतनमान में वरिष्ठ हंजीनियर (वरिष्ठ समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की सेवा कर चुकने वाले वरिष्ठ हंजीनियर ₹ 3700-5000 के वेतनमान में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक, दूरसंचार कारखाना में 4500-5700 ₹ के वेतनमान में उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नान फंशनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(घ) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक अथवा ग्रुप 'क' पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्ष की सेवा कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष की नियमित सेवा वाले (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 5900-6700 ₹ (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमान में महाप्रबंधक, दूरसंचार कारखाना के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं ।

(5) उक्त पदों से संबद्ध कार्य श्रीराजस्त्रांसिलों का स्वरूप :—

सहायक प्रबंधक :— दूरसंचार भंडार के उत्पादन क्षेत्र से दूरसंचार विभाग के दूरसंचार कारखानों का पर्यवेक्षण तथा प्रबंध और औद्योगिक और गैर-औद्योगिक कर्मचारियों और स्टाफ की नियुक्तियों सहित सेवा मामलों पर कार्य करना ।

वरिष्ठ हंजीनियर :— उत्पादन, आयोग, विकास, अनुशासन और आदि से संबद्ध व्याख्या के प्रधान और दूरसंचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संवर्गों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना ।

उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक :— सामान्य प्रशासन, उत्पादन, अनुशासन आयोग आदि से संबद्ध वैनिक कार्यों में महाप्रबंधक की सहायता करना, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कॅथ कार्य-प्रभारी ।

महाप्रबंधक :— दूरसंचार कारखाना के प्रधान कारखाना के सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग अनुशासन आदि के समग्र नियंत्रण हेतु उपरकारी ।

18. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा

नियुक्तियां वो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा आधार पर होंगी ।

किन्तु यह है कि इस संबंध में नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है ।

अग्रीमी यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समाप्ति के बाद सामान्यतः आठ सप्ताहों के अन्वर किया जाएगा और सम्बद्ध प्राधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अवधि लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा ।

परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समाप्ति पर, जैसी भी स्थिति हो, यदि सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी स्थायी नियुक्त हेतु उपयुक्त नहीं है तो इसके कारण लिखित रूप में रिकॉर्ड किए जाएं और सरकार उस अधिकारी को कार्य-मुक्त कर दें ताकि वे अपने भेज सकती हैं या उस पद पर वापस भेज सकती हैं, जिसे वह उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति हो, नियुक्ति से पहले घोरण कर रहा था । परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण कोर्स पास करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा परीक्षा और परीक्षण पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की इच्छिता

को संलोचनक हँग से पूरा करने की जने के रूप में निर्धारित किए जायेंगे।

2. नियुक्ति किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

3. नियुक्ति किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय—समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है।

4. यदि आवध्यकता हुई तो प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पर्वों पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को:-

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोत्तर रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) समान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जने के बाद पूर्वोत्तर रूप में कार्य नहीं करना होगा।

5. ग्राह्य वेतनमान निम्न प्रकार हैः—

कनिष्ठ वेतनमान 2200-75-2800-द० रो०-100
4000/-र०।

वरिष्ठ वेतनमान 3000-100-3500-125-4500/-
र०।

कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड 3700-125-4700-150
5000/-र०।

चयन प्रेड 4500-150-5700/-र०।

(कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड)

वरिष्ठ प्रशासनिक प्रेड 5900-200-6700/-र०।
भरत का महासर्वेक्षक 7300-100-7600/-र०।

6. पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और वायित्वों का स्वरूप :

उप अधीक्षक सर्वेक्षक :- भूगणित फोटोग्राफित मानविक कला और अंकीय मानविकण के क्षेत्रों में अनुभागों/कैम्पों का वर्यवेक्षण करने के लिए सर्वेक्षण का कार्य श्रलग-श्रलग कार्यकर्ता के रूप में करने के साथ-साथ अनुभाग अधिकारी के रूप में भी करता। यूनिट के तकनीकी तथा प्रशासनिक दोनों

कार्यों में प्रभारी अधिकारी (अधीक्षक सर्वेक्षक) द्वी भी सहायता करना।

अधीक्षक सर्वेक्षक :- पार्टी ने प्रबंध करना और अनुशासन रखना, भृष्टारों की अभियाक करना, रखेखाव और परिशुद्ध लेखा-जोखा रखना, अपने अधिकार में होने वाली निधि को किफायत से व्यय करना, अपने सभी अधिकारियों और तैनात व्यक्तियों के अपने कार्यों (डूटियों) और कार्य के लिए सर्वोत्तम उपयुक्त सर्वेक्षण विधि में उचित प्रशिक्षण देना, समस्त तकनीकी कार्यों का निपादन और पर्यवेक्षण करना, फील्ड प्रमाणन, फेयर मानविकण, फोटोग्राफित और अंकीय मानविकण आवि करना।

उपनिदेशक — निदेशान्वय का सुचारू और कुशल संचालन करने में क्रियाशील निदेशक की सहायता करना, व्यावसायिक परीक्षणों मर्किल की विभागीय पदोन्तति समितियों की बैठकों का आयोजन करने तंत् सभी तकनीकी, प्रशासनिक तथा वित्तीय प्रतिवेदनों तथा विवरणियों की समीक्षा करने, उनको पूरा करने और उन पर निगरानी रखने आदि का दायित्व संभालना, असूली बोर्डों की बैठकों की अध्यक्षता करना, निविदाओं तथा संविदाओं को अंतिम रूप देना और निरेणक द्वारा सौंपे गए अन्य सभी कार्यों को सम्पन्न करना।

निदेशक/उपनिदेशक चयन ग्रेड :- सभी वायित्वों को संभालना, ग्रुप 'ग' के सभी कर्मचारियों के नियुक्ति तथा अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना, सर्वेक्षण तथा मानविकण कार्यों से संबंधित तकनीकी समन्वय करना, निदेशन करना, उनकी देव्ह-रेखा करना और उन पर निगरानी रखना जिसमें राज्य सरकारों केन्द्रीय परियोजना प्राधिकारियों आदि को सलाह देना भी शामिल है, वित्तीय प्रबन्ध करना, बजट कार्य करना, मिवेशालय के समस्त व्यय पर निगरानी और विधंतण रखना।

अपर महा सर्वेक्षक : अपने प्रभार के अधीन आने वाले सर्किलों द्वारा तकनीकी, वैज्ञानिक, प्रशासनिक, वित्त एवं लेखा कार्यों को दक्षतापूर्वक संपन्न करने तंत् समग्र दायित्व संभालना। अपने प्रभार के अधीन आने वाले सभी सर्किलों के फील्ड और फेयर मानविकण कार्यक्रमों तथा मुद्रण-कार्य को अंतिम रूप देना, निर्धारित मानकों के अनुसार तकनीकी कार्य की प्रगति पर निगरानी रखना तथा प्रत्येक इसा एवं परिशुद्धिके अपने शिक्षित स्तर को मुनिशित करना, कार्य की तवीन तकनीकी विधि को विकास करने/उसको अग्रानी का दायित्व संभालना, अपने जोम में आने वाले सभी सर्वेक्षण मामलों पर राज्य सरकारों को परामर्श देना।

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
(DPR/EGGS DESK)
New Delhi, the 22nd December 1994

RESOLUTION

No. 7(8)/94-DPR/EGGS.—In partial modification of the Resolution No. 7/8/94-DPR/EGGS, dated 27-10-94 of the Government of India Ministry of Industry, Department of Industrial Development, the following amendment is made herewith.

For

5. Shri Satyadev Prakash Sinha,
Executive Chairman,
Jenson & Nicholson,
225, Acharya Jagdish Bose Road,
Calcutta-700 020. Member

Read

Sh. S. Subberwal,
Managing Director,
Jenson & Nicholson, Member
225, Acharya Jagdish Bose Road,
Calcutta-700 020.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

PROMILA BHARDWAJ,
Director

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPTT. OF AGRICULTURAL RESEARCH AND EDUCATION INCLUDING THE I.C.A.R. AND THE DEPTT. OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRY DEVELOPMENT)

New Delhi-110001, the 19th January 1995

RESOLUTION

F. No. 2(3)/94-Hindi.—The following amendment is being made in the resolution No. 2(3)/94-Hindi, dated 28-4-94 regarding Hindi Sahakar Samiti constituted for the Department of Agricultural Research and Education including the I.C.A.R. and the Department of Animal Husbandry and Dairy Development.

In place of

9. Sh. Nathu Ram Mirdha (MP)
(LOK SABHA)

To be read

Sh. K. Ramamurthec (MP)
(LOK SABHA)

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to all the members of the samiti, all State Governments and Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Ministries/Departments of Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

G. S. SAHNI,
Joint Secy., DARE AND
Secy., I.C.A.R.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
New Delhi, the 3rd January 1995

RESOLUTION

SUB : Constitution of a Central Advisory Committee on Agricultural Marketing.

No. 16011/4/94-M. II.—In supersession of this Ministry's Resolution No. 2-2/76-AM dated the 6th September, 1976 and the 15th March, 1978, and in pursuance of the recommendations made by the High Power Committee on Agricultural Marketing, set up vide this Ministry's Resolution No. 16018/2/91-M.II dated the 30th January, 1992, the Government of India hereby constitute a Central Advisory Committee on Agricultural Marketing consisting of the following Members to advise the Central Government on policies and programmes for development of agricultural marketing and to coordinate overall agricultural marketing policies and programmes in the Central and State sectors.

Chairman

1. Additional Secretary, Ministry of Rural Development, (Department of Rural Development), Krishi Bhawan, New Delhi.

Members

2. A representative of Indian Council of Agricultural Research.
3. A representative of Department of Agriculture and Cooperation.
4. A representative of Ministry of Health.
5. A representative of Ministry of Commerce.
6. A representative of Ministry of Railways.
7. Economic & Statistical Advisor, Directorate of Economics and Statistics, or his representative.
8. Chairman, Commission on Agricultural Costs & Prices, or his representative.
9. A representative of Food Corporation of India.
10. A representative of National Cooperative Development Corporation.
11. A representative of National Agricultural Cooperative Marketing Federation.
12. A representative of Central Warehousing Corporation.
13. A representative of TRIFED.
- 14-17. A representative each of the four States by rotation at an interval of three years.

To begin with, the following States will be represented on the Committee for the first three years:—

- (i) A representative of the State Govt. of Punjab.
- (ii) A representative of the State Govt. of Tamil Nadu.
- (iii) A representative of the State Govt. of Maharashtra.
- (iv) A representative of the State Govt. of U.P.

Member-Secretary

18. Agricultural Marketing Advisor to the Govt. of India.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. JAYACHANDRAN,
Dy. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)
RULES

New Delhi, the 18th February 1995

No. 94/E(GR)I/18/3.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination to be held by the Union Public Service Commission in 1995 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Service (IDSE) (Building and Roads Cadre).
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of Works Cadre).
- (vi) Survey of India Service Group-A (Civil Engineering Posts).
- (vii) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil) in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (ix) Central Engineering Service (Roads) Group-A.
- (x) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.
- (xi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Civil Engineering Posts).

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Military Engineer Service (IDSE) (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts).
- (viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (ix) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) (Mechanical Engineering Posts, Border Roads Engineering Service, Group-A).
- (x) Indian Inspection Service, Group 'A' (Mechanical Engineering Posts).
- (xi) Drilling Engineer (Junior) A in G.S.I.
- (xii) Mechanical Engineer (Junior) Group A in G.S.I.
- (xiii) Assistant Manager (Factories) Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).
- (xiv) Workshop Officer—Group 'A' Mechanical Engineering Posts in the Corps of E.M.E. Ministry of Defence.
- (xv) Indian Supply Service Group-A (Mechanical Engg. Posts).

Group B Services/Posts

- (xvi) Workshop Officer Group 'B' (Mechanical Engineering posts) in the Corps of E.M.E. Ministry of Defence.

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) in P&T Building Works (Group 'A') Service;
- (viii) Indian Inspection Service Group 'A' (Electrical Engg. Posts).
- (ix) Military Engineer Service (IDSE) (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts);
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom (Telecom Factories Organisation);
- (xi) Workshop Officer Group 'A' (Electrical Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.
- (xii) Indian Supply Service Group 'A' (Electrical Engineering Posts).

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group 'A' Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication / Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications (Department of Tele Communication);
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (ix) Survey of India Service Group 'A' (Electronics and Telecom Engincering Posts).
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).
- (xi) Indian Supply Service, Group 'A' (Electronics Engineering Posts);
- (xii) Indian Inspection Service, Group 'A' (Electronics Engineering Posts);
- (xiii) Workshop officer, Group 'A' (Electronics Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

Group B—Services/Posts

(xiv) Workshop Officer Group 'B' (Electronics Engineering Posts) in the Corps of E.M.E., Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. A candidate who qualifies on the result of the written part of the examination will be required to indicate clearly in the detailed application from the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preferences. The candidate is advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointment.

N.B. (i)—Candidate are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules in the order of preference in their detailed application form. In case a candidate does not give any preference for any Services/Posts or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in the order as appearing in the notification and in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preference. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/Posts.

N.B. (ii) No request for addition/alteration in the preferences indicated by a candidate in his detailed application form will be entertained by the Commission.

N.B. (iii) Candidates should give their preferences only for the Services & Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preference given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (v)—Candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and their preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

N.B. (vi)—The candidates will be allotted to various Services/Posts strictly in accordance with their merit position, preferences exercised by them and number of vacancies, subject to their medical fitness.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, a
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary, may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary Eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August, 1995 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1967 and not later than the 1st August, 1975.

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iv) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in column 2, for which they are otherwise eligible.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August 1995.

Column 1

Column 2

Railway Department . . .	I.R.S.E I.R.S.E.E I.R.S.S.E I.R.S.M.E I.R.S.S.
--------------------------	--

Central Public Works Department . . .	C.E.S.—Group 'A' C.E & M.E.S. Group 'A'
---------------------------------------	--

Engineer-in-Chief Army Headquarters . . .	M.E.S. Group A (I.D.S.E.—B & R Cadre) and Surveyor of Group A (I.D.S.E.—E. & M.)
---	---

Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S. Group A
--	------------------

Column 1	Column 2
Central Water Commission	C.W.E. Service (Group A)
Central Electricity Authority	C.P.E. Service (Group A)
Wireless Planning and Co-ordination Wing/ Monitoring Organisation	Engineer (Group A)
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
All India Radio/Doordarshan	Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service.
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
Ministry of Communication Department of Telecommunication & Deptt. of Posts	Indian Telecommunication Service Group A. Assistant Executive Engineer (Civil / Electrical) in P & T Building works (Group A') Service, Assistant Manager (Factories) Group A, P&T, Telecom Factories Organisation.
Dept. of Science & Technology	Survey of India Service Group 'A'.
Directorate General of Supplies and Disposals	I.I.S. Group 'A' I.S.S. Group 'A'
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group 'A', Drilling Engineer (Junior) Group 'A'.

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of three years if a candidate is a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.
- (iii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May 1990 but before 22nd November 1991.
- (iv) Up to a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (v) Up to a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (vi) Up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August 1995 and have been released (i) on completion of assignment

including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1995 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment;

- (vii) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August 1995 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1995 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment;
- (viii) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1995 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;
- (ix) Up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August 1995 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issue a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

- (x) Up to maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

Note : (i) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment of Civil-Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

(ii) Candidates falling under rule 5(c) (ii) to (ix) who do not belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribes are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. Job on civil side after availing of the age concession.

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Services or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth, accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian

University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, Service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the Instruction include the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1 : Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission, and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2 : Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently or at any other Examination of the Commission.

6. A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Section A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (d) passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (e) passed Associate Membership Examination, Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (f) passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or
- (g) passed Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November 1959.

Provided that a candidate for the posts of Engineer Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely :—

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A

candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the requisite qualifying examination alongwith the detailed applications which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All Candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him; into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rules, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidate shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS. THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses they should take with them the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no requests for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulation relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note that :

- (i) A sum of Rs. 30 (Rupees Thirty only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.
- shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

S. A. A. ZAIDI,
Secretary,
Railway Board.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subject, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

Part II:—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination:—

Category I.—CIVIL ENGINEERING

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test (Part A General English) (Part B General Studies)	01	2 hrs.	200
Civil Engineering Paper I	11	2 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers			
Civil Engineering Paper I	13	3 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hrs.	200
TOTAL			1000

Category II.—MECHANICAL ENGINEERING

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test (Part A General English) (Part B General Studies)	01	2 hrs.	200
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hrs.	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hrs.	200
Section II—Conventional Papers			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hrs.	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hrs.	200
TOTAL			1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hours	200
Electrical Engineering Paper I	41	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II	42	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electrical Engineering Paper I	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II	44	3 hours	200
TOTAL			1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers:			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	61	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	62	2 hours	200
Section II—Conventional papers :			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	64	3 hours	200
TOTAL			1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership initiative and intellectual curiosity, tact and other socioal qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written papers will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

Note :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabi

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST (Code No. 01)

Part A : General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B: General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.
Stresses, Strain, Failure Theories of Solid Materials. Simple bending and torsion theories, shear centre.
3. Graphic Statics.
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.
Analysis of trusses and frames. Introduction to plastic Analysis.
5. Design of Metal Structures.

Working stress and ultimate strength, design of simple structures.

6. Design of concrete and Masonry Structures.
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete, ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics, Water Resources Engineering.
Open channel and pipe flow. Hydrology. Design of canals and hydraulic structures.
2. Soil Mechanics and Foundation Engineering and their general principles Strength Parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.

3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying. Roads superelevation Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.

4. Environmental Engineering.
Water purification, sewage treatment and disposal.
5. Construction, Planning and Management
Elements of construction practice, Ear charts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

PAPER I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics
Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power Cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and Combustion.
 2. I.C. Engines
C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing Turbo Jet and Turbo-prop Engines. Rocket Engines, Elementary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.
 3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines
Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.
 4. Compressors Gas Dynamics and Gas Turbines. Reciprocating, Centrifugal and axial flow compressors, velocity diagrams, Efficiency and performance, effect of Mech. number on flow, Isentropic flow, Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reheating and Regeneration.
 5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning
Conduction, Convection and Radiation. Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient, Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance, Psychrometrics and psychometric chart, Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.
 6. Properties and classification of fluids
Fluid statics, kinematics and dynamics; principals and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.
Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.
- Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)
7. Theory of Machines
Velocity and acceleration (i) of moving bodies (ii) in machines. Klien's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors, Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.
 8. Machine Design
Design of : Joints—Threaded fasteners and Power screws—Keys, Kotters. Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drivers—wire ropes—shafts.

Gears-siding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and reflection.

Shafts : Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure Spring, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloving Materials, heat treatment; Composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machining : Cutting Tools : Tool Materials. Wear and Machinability, measurement of cutting forces. Process : Machining-Grinding. Boring, Gear Manufacturing, Metal forming, Metal casting and joining. Basic, Special Purpose, Programme and numerically Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement, Wage incentive. Design of Production System and Product Cost Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material Handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory, Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits

Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs, Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

2. EM Theory

Electrostatics Magnetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations. Planewave propagation in conducting & Dielectric media; properties of Transmission lines.

3. Material Science : (Electric Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of Materials. Ferro and ferri-magnetism, Conduction in Semiconductors, Hall effect.

4. Electrical Measurements

Principle of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments, VTVM and CRO, Q-meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, digital Measurement, telemetering, data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation

Digital system algorithms, flow-charting, Storage; Type statements, array storage Arithmetic expression logical expressions, Assignments statements. Programme structure, Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System; power generation, Thermal, Hydro and Nuclear Power Transmission, Corona Bundle conductors. Power System Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State variable approach.

8. Electronics & Communications

Electronics : Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs. Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits Combinational and sequential digital circuit. Communications : Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components-types and properties. Active components types and properties. Solid State Devices-Physics, Characteristics and models.

2. Network Theory

Network Theorems, steady State and transient response of electric circuits, Network analysis Elementary network synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave form Generators. Stabilizers.

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates, Computing Circuits, Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory, Control system components, Response of Control Systems, Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory, Modulation and Detection processes. Various type of communication systems. Radio and line communications. Television and Radar Navigational aids Satellite communication principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies. Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Every candidate will be medically examined at Central Hospital Basant Lane, New Delhi on the next day of their personality test or on the date and place as decided by the Ministry of Railways (Railway Board) irrespective of the fact that he/she had appeared for such medical examination in the past and found fit or unfit on the basis of earlier examination. In case a candidate does not appear on the stipulated date, he should immediately submit the reason thereof to the Ministry of Railways within 15 days so that his medical examination can be arranged on next suitable date failing which it will be presumed that the candidate is not keen for appointment and he will not be allotted to any Service/post.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, Weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows:—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expan- sion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For the Indian Ordnance Factories Service Group A a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

4. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 83—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

7. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded:—

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows:—

Service	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye (Corrected Vision)	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye (Corrected Vision)
1	2	3	4	5

A. Technical

1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)

2. Central Engineering

1	2	3	4
<i>Service Group A,</i> Central Electrical and Mechanical En- gineering Service Group A, Indian Ins- pection Service Group 'A' Central Water Engi- neering Service Group A, Central Power En- gineering Service Group A, Central En- gineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommuni- cation Service Group A Assistant Executive Engineer (Civil or Electrical) in P & T Building Works (Group 'A') Service, Post of Engineer, Group A in W P & C Wing/Monitoring Organisation, Minis- try of Communi- cations, Indian Broad- casting (Engineers) Service, Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Fac- tories Service Group A Border Road Engi- neering Service Group 'A'	6/6 6/9	6/12 6/9	J/I J/II
3. Military Engineer Service, Group 'A', Workshop officer, Group 'A' & Group 'B' Assistant Manager (Factories) Group— 'A', P & T Telecommunication Factories Organisation	6/6 6/9	6/18 6/9	J/I J/II
B. Non-Technical			
4. Indian Railway Stores Service and Mechan- ical Engineer (Junior) Group 'A' Drilling En- gineer (Jr.) Group A in G.S.I. Indian Supply Service Group 'A'	6/2	6/12	J/I J/II

NOTE (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special boards of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Service connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Service/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Service (IDSE and Surveyor Cadre)
- (iii) Survey of India Group 'A' Service.
- (iv) Central Engineering Service (Roads).
- (v) Central Power Engineering Service.
- (vi) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T), Telecom, Factories Organisation.
- (vii) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (viii) Workshop officer, Group 'A' and Group 'B'.

Technical Services or posts requiring lower grade.

colour Perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical) in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Co-ordination Wing Monitoring Organisation.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edrige's Green's lantern shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) Field of vision.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) For Night Blindness.—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo test for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion test'.

NOTE (6) Ocular conditions, other than visual acuity—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) Squint.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J/I near vision with or without glasses provided the errors in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Post/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) Contact Lenses:—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

8. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15-25 years of age the average is about 100 plus age.

(ii) With subject over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise of excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothe to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the wellheard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed:—

(a) That the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group 'A' and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3	(1)	(2)	(3)
(1) Marked or total deafness in one year other being normal		Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.	(9) Otosclerosis		If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit
(2) Preceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.		Fit in respect both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.	(10) Congenital defects of ear, (i) If non-interfering with nose or throat.		(i) If non-interfering with functions—Fit.
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type,		(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present — Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central Perforation both ears—Temporarily unfit.	(ii) Stuttering severe degree—Unfit.		
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides		(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.	
(5) Persistantly discharge ear operated/unoperated.		Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.			
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.		(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal sepum is present with Symptoms— Temporarily Unfit.			
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.		(i) Chronic & inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.			
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.		(i) Benign Tumours— Temporarily Unfit. (ii) Malignant Tumours—Unfit.			

- (b) that his/her speech is without impediment;
 (c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;
 (d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;
 (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
 (f) that he is not ruptured;
 (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;
 (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
 (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
 (j) that there is no congenital malformation or defect;
 (k) that he does not bear traces of acute chronic disease pointing to an impaired constitution;
 (l) that he bears marks of efficient vaccination;
 (m) that he is free from communicable disease;
12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist/psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which

the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee within the stipulated time.

14. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall be against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance of the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy.

Government or the appointing authority as the case may be that he has no disease constitutional affliction or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payment in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considered that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration 'appended thereto'. This attention is specially directed to the warning contained in the Note below—

1. State your name in full (block letters)

.....
.....
.....

2. State your age and birth place

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis,

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....
.....

5. Furnish the following Particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)
.....
.....
.....

Mother's age of living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)
.....
.....
.....

6. Have you been examined by a Medical Board before ?
.....

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?
.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known
.....

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence
Signature of Chairman of the Board

Note.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical examination.

1. General development
Good Fair Poor Nutrition
Thin average Obese Height
(without shoes) weight Best Weight
.....

When ? Any recent change in weight.
temperature

Girth of chest :—

- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes

- (1) Any disease
- (2) Night Blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity
- (6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	SPh	Cyl	Axis	Strength of glasses
Distant vision			R.E.	L.E.		
Near vision			R.E.	L.E.		
Hypermetropia (Manifest)			R.E.	L.E.		

4. Ears : Inspection
Hearing Right Ear

Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.
.....

If yes, explain fully

8. Circulatory system :

- (a) Heart : Any organic lesions
Rate Standing
- After hopping 25 times
- Two minutes after hopping

- (b) Blood Pressure : Systolic
- Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness

Hernia

- (a) Palpable Liver
- Spleen

Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc. Urine analysis :

- (a) Physical Appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

Note :—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which services out of the following seven categories has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit :—

- (i) Railway Engineering Services, Gr. A (Civil, Electrical, Mechanical and Signal), CES Gr. A and CE & MES Gr. A.
- (ii) I.I.S. Gr. A, CWES Gr. A, CPES Gr. A, CES (Roads) Gr. A, Assistant Executive Engineer and Asstt. Engr. (P&T Board) (Civil Engineering Wing) Posts of Engineer Gr. A (W.P.C. Wing, Monitoring Organisation), IBS, INAS Gr. A, BRES Gr. A.

- (iii) MES Gr. A and Workshop Officer, Gr. A and Gr. B in the Ministry of Defence, Survey of India.
- (iv) IOFS (Gr. A).
- (v) Assistant Manager (Factories) Gr. A in P&T.
- (vi) ITS Gr. A.
- (vii) IRSS Gr. A, ISS Gr. A, ITS Gr. B, Posts of Assistant Drilling Engineer Gr. A, Mechanical Engr. (Jr.) Gr. A and Assistant Mechanical Engineer, Gr. B in Geological Survey of India and Assistant Director (Tech) in Department of Heavy Industry.

Is the candidate fit for Field Service?

NOTE:—The Board should record their findings under one of the following categories:—

(i) Fit.....

(ii) Unfit on account of

President.....

Member.....

Place.....

Date

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/ POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION.

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE.

(a) Probation:—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) Training:—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such place and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) Termination of appointment:—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(i) If in the opinion of the Government the work or conduct of probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

(ii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

(d) Confirmation:—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respect.

(e) Scales of pay:—

(i) Junior Scale—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(ii) Senior Scale—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

(iii) Junior Administrative Grade II—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

(iv) Senior Administrative Grade II—Rs. 5900-200-6700/-.

In addition there are supertime scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) Refund of the cost of training.—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond a copy of which will be enclosed alongwith their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) Leave:—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) Medical Attendance:—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) Passes and Privilege Ticket Orders:—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) Provident Fund and Pensions:—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) Liability to serve in Defence Service:—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any:—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICE GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

(i) J.T.S. (A.E.E.) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Junior Administrative Grade (S.E.) :

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale.

Additional D.G.R. Rs. 7300—7600—These Posts are common to D.G.(W) of Rs. 8000 fixed all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

Note—The pay of a Government servant who held a permanent posts other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) Central Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Civil) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A.

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. MILITARY ENGINEER SERVICE GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to

become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if, his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Supds. (B R & E/M) Grade 1 Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" equivalent to Matriculation standard.

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any;

Provided that such a candidate—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under S.R.O. No. 92, dated 9th March 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) the following are the rates of pay :—

(a) Assistant Executive Engineer/Assistant Surveyor of Works—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(b) Executive Engineer/Surveyor of Works—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

(c) Superintending Engineer (Ordinary Grade)/Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade)—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(d) Superintending Engineer (Selection Grade)/Superintending Surveyor of Works (Selection Grade)—4500-150-5700.

(e) Additional Chief Engineer—Rs. 4500-150-5700/- plus Special pay of Rs. 400/-.

(f) Chief Engineer/Chief Surveyor of Works—Rs. 5900-200-6700/-.

(g) Additional Director General (Works)—Rs. 7300-100-7600/-.

4. INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of his probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible :—	
Jr. Time Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000-
St. Time Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500-
Jr. Admin. Grade (O.G.)	Rs. 3700-125-4700-150-5000-
Jr. Admin. Grade (S.G.)	Rs. 4500-150-5700-
Sr. Admin. Gr.	Rs. 5900-200-6700-
Sr. General Manager	Rs. 7300-100-7600-
Addl. DGOF/Member, OFB	Rs. 7300-200-7500-250-8000-
DGOF/Chairman OFB	Rs. 8000.

Note :—The Pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64(D/Arts) 105/D (Civ. 1) dated the 23rd November, 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. INDIAN TELECOMMUNICATIONS SERVICE GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith on the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will be also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of his competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) the following are the scales of pay admissible :—

(i) Junior Time Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(ii) Senior Time Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

(iii) Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

(iv) Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700/-.

(v) Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700/-.

(vi) C.G.M. Grade : Rs. 7300-100-7600/-.

(vii) Advisers Grade : Rs. 7300-200-7500-250-8000/-.

(viii) The Officers shall also be eligible for consideration for the posts of Members of the Telecom Commission which is equivalent to Secretary to Govt. of India—Rs. 8000/-.

Note : The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunications Service, Group A will not draw any increment till he passes the departmental examinations.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineer

Assistant Divisional Engineers will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division. Incharge of Carrier VFT Coaxial Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless Station and will work generally under a Divisional Engineer. They may also be attached to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication net work.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial Microwave maintenance Division and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephones Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication system etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District, Telecommunication circle etc.

Senior Administrative Grade and CGM Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General, Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Sr. DDG Telecom Engineering Centre and DDGs Telecom Engineering Centre are responsible for overall research activities of the Telecommunication/Engineering Centre.

6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the F.R. 22-B(1) of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward for promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer, (Selection Grade)/Chief Engineer/Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 2220-75-2800-EB-4500 100-4000.
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125-4500
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700.
6. Member CWC/Chairman GFCC	Rs. 7300-100-7600.
7. Chairman, CWC	Rs 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.
Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission Distribution and Utilisation of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform to the overall context of National Economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by Union Public Service Commission.

Fifty per cent of vacancies in the grade of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-4000/- are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidate may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any, provided that such persons—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer are eligible for promotion to higher grade viz. Deputy Director/Executive Engineer/Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1990 as amended from time to time.

(iv) Scale of pay

The scale of pay for the posts of Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority ;—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director (Grade-I)/Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Dy. Director/Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500.
3. Director/Supd. Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-EB-150-5000.
4. Director/Supd. Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/Member-Secretary	Rs. 5900-200-6700

(v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director (Grade I)/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government.

They will receive pay in time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/- On completion of their period of probation satisfactorily if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any—

Provided that such a person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.
- (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

B—For Mechanical Engineer (Junior Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
- (ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
- (iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.
- (iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationary will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.O.L. issues and records, log books, history sheets etc. Fabrication and Manufacturing of Drilling & Scientific accessories.

Drilling Engineer (Junior)

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeep of machinery and vehicles deployed in good order, security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

9. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATIONS).

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineers-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500/- plus Rs. 200/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-Charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000/-). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such a person :—

- (i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.

- (i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
- (ii) Installation, calibration testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of commissions.
- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services.
- (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approval of equipment, studies of electromagnetic compatibility etc.
- (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
- (vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Armatures etc. and issuing of respective licences.
- (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
- (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, or other international/regional organisations dealing with telecommunications.

10. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scale of pay admissible :

Assistant Executive Engineer Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

Executive Engineers Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

Superintending Engineer Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

Superintending Engineer (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700/-.

Chief Engineer Rs. 5900-200-6700/-.

Additional Director General (Road/Bridges) Rs. 7300-100-7600/-.

Director General (Roads Development) and Additional Secretary Rs. 7300-200-7500-250-8000/-.

NOTE : The pay of Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

(i) *Civil Engineering Posts* :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc., of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads/Bridge work and scrutiny of proposals for such work received from the States.

(ii) *Mechanical Engineering Posts* :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc., of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, procurement, operation and maintenance of Roads/Bridges constructions equipments, to prepare estimates for repairs and maintenance of such equipments and scrutiny of proposals and estimates received from the States.

11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing with the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) *Appointment to the Service*.—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashvani' or in 'Doordarshan'.

(c) *Liability for service in any part of India and other conditions of service* :—

(I) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(ii) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any.

provided that such officers :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) *the conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general.*

The following are the scale of pay admissible :—

1. Junior Scale . . .	Rs 2200-75-2800-EB-100-4000
2. Senior Scale . . .	Rs 3000-100-3500-125-4500.
3. Junior Administrative Grade . . .	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade) . . .	Rs. 4500-150-5700.
5. Senior Administrative Grade . . .	Rs. 5900-200-6700.
6. Engineer-in-Chief . . .	Rs. 7300-100-7600.

Nature of Duties and responsibilities attached to Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group A) : Designs, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

12. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade-II—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

(v) Director of Armament Supply—Rs. 5900—200—6700.

(f) Prospects of Promotion to higher grades :

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the naval Technical Staff Officers Course at the I. A. T. Kirkee.

(ii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade).

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 3700—5000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 4500—5700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply.

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 5900—6700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE : The pay of the Government servant who held a permanent post other than tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical, Electronics and electrical spare for armaments.

(v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

13. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEERS IN P&T BUILDING WORKS (GROUP 'A') SERVICE

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment. If his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination of examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

Group A

(i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-200-EB-100-4000.

(ii) Executive Engineer (Civil)/Surveyor of Works (Civil/Executive Engineer (Head Quarter) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Superintending Engineer (Civil)/Superintending Surveyor of Works (Civil)/Superintending Engineer (Head Quarter) Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700.

(v) Chief Engineer (Civil/Electrical) (Senior Administrative Grade) Rs. 5900-200-6700.

(vi) Senior Deputy Director General (Building Works) Rs. 7300-100-7600.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Buildings, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Ass'tt. Executive Engineers/and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

14. POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

(a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.

(b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

(i) Workshop Officer Group B—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

(ii) Workshop Officer Group A—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(iii) Senior Workshop Officer—Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iv) Workshop Superintendent—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade)—Rs. 4500-150-5700.

(vi) Chief Engineer—Rs. 5100-150-5700.

(d) Duties.—To function as an incharge of a section undertakings repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and Instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshop/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties.

(e) The posts are non-pensionable in the initial stage but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.

(f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (one).

(g) The officers have chances of further studies like M. Tech., specialization in various disciplines viz. Radar, communication, tanks and guns etc. and various courses in foreign countries.

15. INDIAN SUPPLY SERVICE/INDIAN INSPECTION SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Time Scale

Assistant Director (Grade-1) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

Senior Time Scale

Deputy Director Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

Jr. Administrative Grade

Director (Ordinary) Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

Director (Non-Functional Selection Grade) Rs. 4500-150-5700/-.

Sr. Administrative Grade

Deputy Director General Rs. 5900-200-6700/-.

Higher Administrative Grade

Additional Director General Rs. 7300-100-7600.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B (1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A/Indian Inspection Service Group 'A'.

INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of this Service is to conclude long term contracts for procurement of stores, which are commonly required by various Central Government Departments on recruiting basis. Such stores

cover a wide variety of items starting from simple hardware items to sophisticated and costly engineering and electronic items. As and when requested, the officers of this Service are also to arrange purchase of adhoc requirements of stores of different Government organisations. In addition, they are to frame purchase policies which are adopted by other Government Departments also and, when requested, guide other Government Departments in such matters. Their duties also include disposal of certain categories of surplus Defence stores and clearance of Government cargoes at the Indian ports of entry on request. The officers of the Indian Supply Service are therefore, expected to possess the requisite technical backgrounds to deal with such diversified nature of duties.

INDIAN INSPECTION SERVICE (GROUP A)

Inspection and test of Engineering articles and materials and stores of allied nature, supervision of Junior Officers work and ensuring that they are adequately instructed on their work and duties; personal attention to work of importance, drafting of Technical reports, specification and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department indentors and manufacturers.

16. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE GROUP 'A'

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.
- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.
- (iii) The following are scales of pay admissible to them :—

(a) AEE (Civil)	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Executive . . .	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Engineer (Civil) Superintending . . .	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Engineer (Civil) Superintending . . .	Rs. 4500-150-5700.
Engineer (Civil) (Selection Grade)	
Chief Engineer . . .	Rs. 5900-200-6700.
(Civil)	
Addl. DGBR . . .	Rs. 7300-100-7600.
(b) AEE (E&M)	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Executive . . .	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Engineer (E&M) Superintending . . .	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Engineer (E&M) Superintending . . .	Rs. 4500-150-5700.
Engineer (E&M) (Selection Grade)	
Chief Engineer . . .	Rs. 5900-200-6700.
(F&M) Proposed to be created in due course)	

(iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down in above are those minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified areas besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.
- (vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.
- (vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

17. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM FACTORIES ORGANISATION :—

- (i) persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay Rs. 2200—4000/- shall be on a probation for a period of 2 years.
- (ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.
- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager, (Factories) shall, if so required be liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (iv) Prospects of promotion to higher grades :
- (a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500/-.
- (b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Junior Admin. Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000/-.

- (c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection grade of Deputy General Manager/Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700/-.
- (d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of Chief General Manager Telecom Factory in the scale of Rs. 5900—6700/- (Senior Administrative Grade).
- (v) Nature of duties and responsibilities attached to the post:

Assistant Manager—Supervision and management of Telecom Factories of Department of Telcom in the areas of production of Telecom stores and to deal with service matters of industrial and non-industrial workers and staff including their appointments.

Senior Engineer—Head of a branch viz. production planning, Development, Maintenance, Tools etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom Factories.

Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) and **Deputy General Manager/Manager**—To assist the Chief General Manager in day-to-day work of general administration, production discipline, planning etc. Incharge of a Factory or production unit/Wing.

Chief General Manager—Head of the Telecom Factory, Responsible for overall control of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

18. SURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years.

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard.

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any: provided that such persons shall not be required:—

(i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(ii) ordinarily to serve as the aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scales of pay admissible:—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Selection Grade	Rs. 4500-150-5700. (Junior Administrative Grade)
Senior Administrative Grade	Rs. 5900-200-6700.
Surveyor General of India	Rs. 7300-100-7600.

6. Nature of duties and responsibilities attached to the various posts.

Deputy Superintending Surveyor—Required to carry out Survey work in the fields of geodesy, photogrammetry, cartography and digital mapping as an individual worker, as well as Section Officer/Camp Officer to supervise Sections/Camps. He will also assist Officer-in-Charge (Superintending Surveyor) in —both technical & administrative work of the unit.

Superintending Surveyor—Responsible for the organisation and discipline of the Party, custody, maintenance and accurate accounting of stores, economical expenditure of funds at his disposal, proper training of all his Officers and men in their duties and in the method of Survey best suited to the work, execution and supervision of all technical work—field verification, fair mapping, photogrammetry and digital mapping etc.

Deputy Director—Assist the functional Director in smooth and efficient functioning of the Directorate, responsible for scrutinising, completion and monitoring of all technical, administrative and financial reports and returns, for arranging trade tests, circle DPCs, presiding over procurement boards, finalising of tender and contract and all other matter delegated by the Director.

Director/Deputy Director Selection Grade—Responsible for all surveys and mapping, appointing and disciplinary authority for all Group 'C' staff, technical coordination, guidance, supervision and monitoring of Surveying & Mapping operations including advice to State Govt., Central project Authorities etc. etc., financial management, budgeting, monitoring and control of entire expenditure of the Directorate.

Additional Surveyor General—Complete overall responsibility for the efficient performance of the Circles under his charge in respect of technical, scientific, administration, finance and accounts, finalising the field and fair mapping programmes and printing work for all circles under his charge, monitoring progress of technical work according to the prescribed norms and ensure requisite standard of accuracy at every stage, responsible for development/adoption of new technical methods of work, advice to State Governments on all surveying matters falling in his Zone.